राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 90.00 संख्या 2583
सर्वनायक वर्ष 2015
फ्लैशबैक
सुपर कमांडो
ध्रुव

azamworld.blogspot.com persent's

सुपर कमांडो ध्रुव के अब तक प्रकाशित कॉमिक्स

इसी सेट के कॉमिक्स

- फ्लैशबैक (बालचरित) (सुपर कमांडो ध्रुव का विशेषांक) (मूल्य : 90/-)
- मौत का मैराथन (सर्वनायक विस्तार) (मल्टीस्टारर विशेषांक) (मूल्य : 60/-)
- अनोखा चोर (बांकेलाल का हास्य कॉमिक्स) (मूल्य : 40/-)
- डोगा 13 (द्विनायक 02) (दो फौलाद, वर्दी और बंदूक, वेलकम डोगा वेलकम स्टील) (डोगा और स्टील का थ्री इन वन डाइजेस्ट) (मूल्य : 160/-)

आगामी सेट के कॉमिक्स

- सर्वमंथन (सर्वनायक शृंखला) (मल्टीस्टारर विशेषांक)
- आखिरी रक्षक (आखिरी) (मल्टीस्टारर कॉमिक्स)
- डोगा निर्मूलक (डोगा उन्मूलन) (डोगा)
- डोगा 18 (द्विनायक 03) (सावधान डोगा, कौन बड़ा जल्लाद) (डोगा और कोबी भेड़िया का टू इन वन डाइजेस्ट)
- सुपर कमांडो ध्रुव 11 (आत्मा के चोर, वैम्पायर, सुप्रीमा) (सुपर कमांडो ध्रुव का थ्री इन वन डाइजेस्ट)

- प्रतिशोध की ज्वाला
- रोमन हत्यारा
- आदमखोरों का स्वर्ग
- स्वर्ग की तबाही
- मौत का ओलम्पिक
- समुद्र का शैतान
- बर्फ की चिता
- रूहों का शिकंजा
- लहू के प्यासे
- महामानव
- वू-डू
- मुझे मौत चाहिए
- बहरी मौत
- उड़नतश्तरी के बंधक
- एक दिन की मौत
- विनाश के वृक्ष
- चैम्पियन किलर
- आखिरी दांव
- नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- ग्रैंड मास्टर रोबो
- आवाज की तबाही
- नागराज और बुगाकू
- खूनी खिलौने
- किरीगी का कहर
- चुम्बा का चक्रव्यूह
- वीडियो विलेन
- पागल कातिलों की टोली
- ब्लैक कैट
- रोबो का प्रतिशोध
- डॉक्टर वायरस
- सामरी की ज्वाला
- आत्मा के चोर
- दलदल
- उड़ती मौत
- वैम्पायर
- सुप्रीमा
- चण्डकाल की वापसी
- मैंने मारा ध्रुव को
- हत्यारा कौन
- सर्कस
- हत्यारी राशियां
- मौत के चेहरे
- कमांडर नताशा
- राजनगर की तबाही
- सजाए मौत
- अंधी मौत
- षड्यंत्र
- महाकाल
- प्रलय
- विनाश
- खूनी खानदान
- अतीत
- जिग्सा
- तानाशाह
- ध्रुव-शक्ति
- जंग
- दुश्मन
- कलियुग
- निशाचर
- क्विज मास्टर
- ममी का कहर
- कमांडो फोर्स
- कोहराम
- बौना वामन
- कालध्वनि
- शह और मात
- आया चुम्बा
- चुम्बा सम्राट
- जलजला
- ध्रुव हत्यारा है
- शहंशाह
- संग्राम
- शीतान
- ध्रुव खत्म
- विध्वंस
- परकाले
- अंत
- दूसरा ध्रुव
- डिजिटल
- मैड्यूसा
- ड्रैकुला का हमला
- ड्रैकुला का अंत
- कोलाहल
- मास्टर ब्लास्टर
- संहार
- रोबॉट
- सुपर कमांडो ध्रुव
- सम्राट
- सौडांगी
- सर्वशक्तिमान
- सुपर हीरो
- फरिश्ता
- रॉबिन हुड
- चैलेंज
- चक्र
- मैं समय हूं
- भूचाल
- मैच
- वर्तमान
- फ्लेमिना
- गुप्त
- वरण काण्ड
- ग्रहण काण्ड
- हरण काण्ड
- शरण काण्ड
- दहन काण्ड
- रण काण्ड
- समर काण्ड
- इति काण्ड
- सर्वनाश
- स्पाइडर
- वेब साइट
- वर्ल्ड वाइड वेब
- फास्ट फॉरवर्ड
- भविष्य
- आखिरी ध्रुव
- सुपर मैन
- स्टेच्यू
- गेम ओवर
- अवशेष
- चुनौती
- हैड्रॉन
- हम होंगे कामयाब
- जीनियस
- डैड और अलाइव
- ऑल्टर ईगो
- एक्स
- शो स्टॉपर
- स्पेशल्स
- कोड नेम कॉमेट
- ब्रेक आउट
- मैक्सिमम सिक्योरिटी
- लास्ट स्टैंड
- निगेटिव्स
- सर्वयुगम
- सर्वदमन
- सर्वसंग्राम
- सर्वसंहार
- अलादीन
- नैनो
- हंटर्स
- राजनगर रक्षक
- ध्रुव डाइजेस्ट 1 (प्रतिशोध की ज्वाला, रोमन हत्यारा)
- ध्रुव डाइजेस्ट 2 (आदमखोरों का स्वर्ग, स्वर्ग की तबाही, मौत का ओलंपिक)
- ध्रुव डाइजेस्ट 3 (समुद्र का शैतान, बर्फ की चिता, रूहों का शिंकजा)
- ध्रुव डाइजेस्ट 4 (लहू के प्यासे, महामानव, वू-डू)
- ध्रुव डाइजेस्ट 5 (मुझे मौत चाहिए, बहरी मौत, उड़नतश्तरी के बंधक)
- ध्रुव डाइजेस्ट 6 (एक दिन की मौत, विनाश के वृक्ष)
- ध्रुव डाइजेस्ट 7 (चैम्पियन किलर, आखिरी दांव, वीडियो विलेन)
- ध्रुव डाइजेस्ट 8 (पागल कातिलों की टोली, ब्लैक कैट, रोबो का प्रतिशोध, दलदल, उड़ती मौत, चंडकाल की वापसी)
- ध्रुव डाइजेस्ट 9 (ग्रैंड मास्टर रोबो, आवाज की तबाही, खूनी खिलौने, किरीगी का कहर)
- ध्रुव डाइजेस्ट 10 (चुम्बा का चक्रव्यूह, डॉक्टर वायरस, सामरी की ज्वाला)
- ध्रुव डाइजेस्ट 15 (खूनी खानदान, अतीत, जिग्सा)
- **Revenge**
- **Deadly Games**
- **The Flying Death**
- **Return of Chandkaal**
- **Dangerous Device**
- **Alladin**
- **DHRUVA 1** (THE VENGEANCE, THE ROMAN ASSASIN, THE RISE OF MUTANTS, THE ANNIHILATION OF-THE MUTANTS, THE DEADLY GAMES, SEA MONSTER)
- **DHRUVA 2** (MYSTERIOUS MOUNTAINS, GHOST FROM THE PAST, OPERATION DESERT STORM, MAHAMANAV, VOO-DOO, DEATH WISH)

अब घर बैठे पाइए अपनी पसंदीदा कॉमिक्स! हमारी वेबसाइट **www.rajcomics.com** पर लॉग ऑन कीजिए और पाइए हजारों कॉमिक्स का विशाल कलेक्शन! और साथ में आपको मिलेगा आकर्षक डिस्काउंट और फ्री गिफ्ट्स! आप क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग, डिमांड ड्राफ्ट और मनी ऑर्डर द्वारा भुगतान कर सकते हैं! सभी ऑर्डर्स 24 घंटों के अंदर भेज दिए जाते हैं! यह सेवा देश-विदेश के हर कोने पर उपलब्ध है! किसी भी सहायता के लिए **7838383660** पर कॉल करें या **sales@rajcomics.com** पर ईमेल करें!

order all your favorite comics at www.rajcomics.com

प्रकाशकः राज कॉमिक्स (राजा पॉकेट बुक्स की एक इकाई) 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-110084 फोनः 27611410 email:bizdev@rajcomics.com

दिल्ली में वितरक : नागराज नावल्टीज, 112, फर्स्ट फ्लोर, दरीबा कलां, दिल्ली-110006. फोनः 23251109, 23251092, 65172310, 32500860

कथा, चित्रांकन, चरित्र व प्रकाशन संबंधी सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन। बिना अनुमति इनका व्यापारिक, गैर व्यापारिक उपयोग एंव पॉयरेसी दंडनीय अपराध है।

©RAJ COMICS-HOME OF INDIAN SUPER HEROES 1986-2015.

"यह क्या हो गया है हंटर्स को? अभी यूक्रेन में मिली असफलता का स्वाद मुंह से मिटा भी नहीं था..."
...और उसके ऊपर यह ताबड़तोड़ दूसरी असफलता। पहले उलूक गया और अब बिली-बिली जैसा शातिर ऑपरेटिव इतनी आसानी से बेवकूफ बन गया।
मुझे भी ऊपर वालों को इसका जवाब देना पड़ेगा!
क्या कहूंगा मैं? एक मामूली सा... छोटा सा काम इनसे नहीं हो पा रहा है।
भूलो मत! उस छोटे से काम में ध्रुव नाम की टांग अड़ी है। इतना आसान नहीं है यह काम!
आसान!! छोटे से घर के छोटे से गोदाम में उलूक जैसा ऑपरेटिव एक मामूली सी चीज ढूंढता है और खुद पकड़ा जाता है।
वह अपने शिकार, एक लड़की को नहीं मार पाता। और हमारे सूत्रों के अनुसार वह पुलिस कमिश्नर की बेटी है। पहली चूक।
उलूक, ध्रुव के वापस आने से पहले, वहां से भागने में सफल तो होता है पर ध्रुव उसको न जाने कैसे ढूंढ निकालता है। दूसरी चूक!

इन घटनाओं को विस्तार से जानने के लिए पढ़ें इस कहानी का पूर्व भाग 'हंटर्स'।

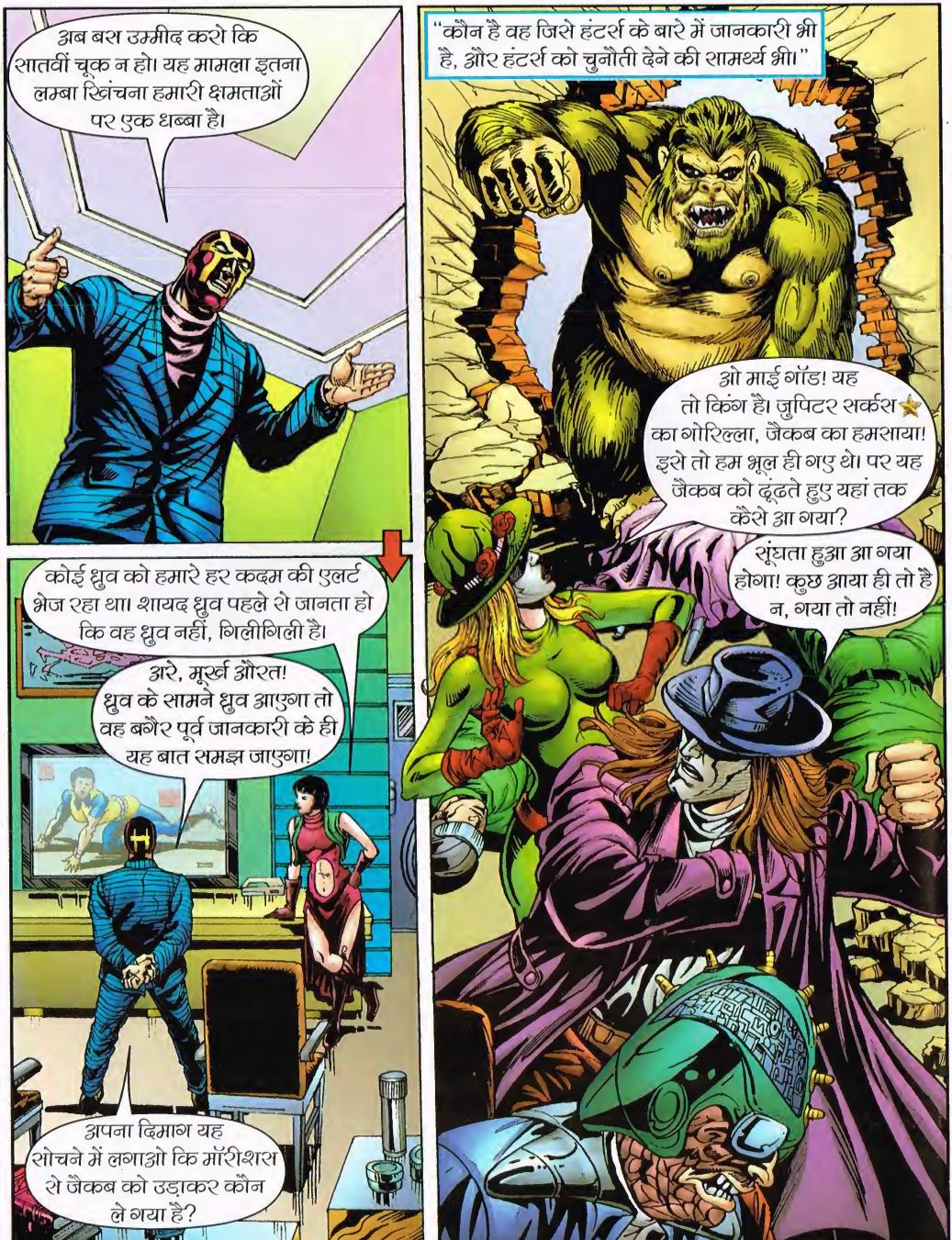

★ किंग के बारे में जानने के लिए पढ़ें सुपर कमांडो ध्रुव के पूर्व प्रकाशित विशेषांक 'खूनी खानदान', 'अतीत' और 'जिग्सा', ध्रुव डाइजेस्ट-15 में संयुक्त रूप से प्रकाशित, www.rajcomics.com पर उपलब्ध।

इस बियावान में यह इस हाई सिक्योरिटी बिल्डिंग तक कैसे पहुंचा, यह तो मुझे नहीं पता पर अगर यह जैकब को लेने आया है...
तो यह वापस नहीं जाएगा!
मुझे जानवरों से निपटना आता है।
डोज ज्यादा मत देना! मारना मत इसे!
अब यह जैकब का नहीं...
...हमारा पालतू...अरे! यह तो संभल रहा है!!

ओ @ #??!
इतना तेज बेहोशी का इंजेक्शन भी इस पर असर नहीं डाल पा रहा है।
असर डाल रहा है। पूरा असर डाल रहा है।
लेकिन जैकब के लिए इसकी स्वामी-भक्ति उस असर को रोक रही है।
पागल हो गया है यह! सर्कस का गोरिल्ला होने का फायदा उठा रहा है।
वर्ना गोरिल्ले भी कहीं गन चलाते हैं?
यह पागल हो गया है तो...
...इसे ठीक करना पड़ेगा!

झटके देकर! सुपर हाई वोल्टेज के झटके!
अब मुझे इसे काबू में नहीं करना!...
शाबास! यह काबू में आ रहा है।
...मारना है।
हाहाहाहा! इसे कहते हैं मौत का नाच! नाच! जब तक ईनाम में तुझे...

यह क्या? गोल मुड़ी कटार! यह तो... गोलकटारा है!
हवा में ही किसी भी तरफ मुड़ सकता है यह!
तो कौन है जो इस कला का महारथी है? ओह!
कौन है यह?
इस कला के बारे में मैंने बस सुना है। कोई इस का उपयोग भी कर सकता है यह सोच से भी परे है!
यही जैकब के लिए गोरिल्ले को यहां तक ले कर आई होगी। !
लेकिन गोरिल्ले को संभलने में अभी कई मिनट लगेंगे।...

उतनी देर में मैं इसे निपटा दूंगी!
बस तुम उस गुरिल्ले को संभलने मत देना!
मामला उलझता जा रहा था। नए-नए खिलाड़ी मैदान में उतरते जा रहे थे!
हंटर्स जैसे शक्तिशाली संगठन के अलावा कोई और ताकतवर ग्रुप भी था, जिसने जैकब को हंटर्स से पहले ही उड़ा लिया था।
पर अब काम पूरा होने से पहले जैकब को कोई और उनके शिकंजे से छुड़ाने के लिए आ धमका था!
आऊ!!
इसके शरीर के अंदर अभी भी करेंट मौजूद है!
पर यह जैकब का नया खैर ख्वाह कहां से पैदा हो गया?
यह खैर ख्वाह जो भी था, दमदार था!
आऊ!!
असंभव! इसने मुझ पर वार कर लिया! मुझ पर!!
यानि...यह खुद कोई सुपर ट्रेंड फाईटर है!
मुझे मदद चाहिए!
यह बात शायद लड़की का साथी सिल्वर मास्कधारी खुद भी समझ गया था।
झुको!!
HIGH QALITI RAJ COMICS KE LIYE
http://rajecomicsworld.blogspot.in/
http://rajecomicsworld.blogspot.in/

आश्चर्यजनक! गोलियों का फोर्स भी चाकू को स्पीड के कारण रास्ते से हटा नहीं पा रहा है।
अद्भुत!
किंग!
लड़ाई दिलचस्प हो रही थी! पर समय किसी के भी पास नहीं था!
आर्रघघ!
किंग के पास तो कतई नहीं।
चलो!
रोको इसे वर्ना जैकब गया हाथ से।
रहने दो।...

कहां जाएंगे ये? गोरिल्ले पर बेहोशी की दवाई का असर होगा जरूर! फिलहाल तो मुझे जैकब से ज्यादा इस औरत की फिक्र हो रही है।
ट्रेंड फाईटर, जैकब की दोस्त, किंगकांग की फ्रेंड! कौन हो सकती है यह?
यह जानने के लिए इन पर नजर रखना जरूरी है! देखो तो कि ये जाते कहां हैं?
ठीक कहती हो तुम! एक स्पाई ड्रोन भेज देते हैं इनके पीछे!

कम्बख्त गोरिल्ला इस कमरे को जंगल बना गया!
दस मिनट बाद आता तो हम जैकब की मेमोरी में वहां तक पहुंच जाते जहां उसके कंटेनर की जानकारी से संबंधित यादें थीं।
वह मेमोरी ट्रांसग्राफर को नहीं, हमारी किस्मत को तोड़ गया है।
अब हमारे पास फिलहाल कुछ भी नहीं है।

कुछ तो है। जैकब की शुरूआती मेमोरी के ये प्रिंट आऊट्स। इसके बाद मशीन ही बंद हो गई!

जैकब की बीवी और बेटे की मेमोरी लगती है यह! यह फोटो किसी चर्च के बाहर की है। उसका नाम और पता भी नजर आ रहा है। ब्रुसेल्स शहर का चर्च है यह!

लगता है अब काम बन जाएगा! ब्रुसेल्स की हमारी लोकल यूनिट को हॉटकॉल करो! काम करना है उन्हें, और तेजी से करना है।

"अब वह कंटेनर भी हमारा होगा और उसमें रखा सारा सामान भी। ध्रुव और दुश्मनों के हाथ आएगी खाली हवा!"
सुनाना क्या...
...मैं तुझे ही कहानी बना दूंगा! तू इस वक्त गिलीगिली के सामने है, लड़के!
प्रकृति की शक्तियां मेरी अंगुलियों पर नाचती हैं!!
मानता हूं तूने मुझे चौंका दिया। कहानी में इस ट्विस्ट के होने का आभास तो मुझे भी नहीं था।
कंटेनर तो अभी तक यहां नहीं पहुंचा है। पर अब ट्विस्ट तो मैं तुमसे कराऊंगा! और तुमसे पूरी कहानी भी सुनूंगा!
आऽऽह! यह.. ऐसा कैसे कर सकता है!
सिर चकरा गया! अप्रत्याशित वार था!
पर मुझे संभालना होगा अपने आपको!
यह जरूर प्राचीन सम्मोहन और मैजिक ट्रिक्स का मिलाजुला प्रयोग कर रहा है।

यह अगर बचकर निकल गया तो...
बड़ा ढीठ है तू!
कहा न मैंने कि प्रकृति तक को कंट्रोल करता हूं मैं?
बस एक बार तेरे दिमाग से उस कंटेनर का पता निकलवा लूं...
उसके बाद तेरी जिंदगी और मौत को भी कंट्रोल करूंगा मैं।
आऽऽह! मेरे... सीने पर... तेज दबाव पड़ रहा है। पस.. लियां कड़क रही हैं!!
तेरा शरीर अब मेरे कब्जे में है...
अब बारी तेरे दिमाग की है।
आह!

गिलीगिली के राममोहन ने...
कंटेनर के नंबर की तलाश में...
ध्रुव के दिमाग की पर्तों को भेदना और उधेड़ना शुरू कर दिया था।
ध्रुव के दिमाग के तल में शांत पड़ी यादों में खलबली मचने लगी थी। उन यादों में भी...
...जिनसे ध्रुव भी अब तक अंजान था। जो ध्रुव की याददाश्त में तो थीं, पर यादों में नहीं।
अरे! अरे! दो न, पाशा चाचा! पानी है मेरे गिलास में मुझे प्यास लगी है!
पानी? मैंऽऽऽ जादू के डंडे से देख रहा हूं!...

कि इसमें तो पानी है ही नहींऽऽऽऽ!

आऽऽऽ! मेरा पानी!!

मुझे प्यास लगी है!!
अलेलेले! एक सेकेंड! एक सेकेंड!

फिर से देखता हूं! देख तो जादू के डंडे, गिलास में पानी है या नहीं!

पानी हैऽऽऽऽ!! पर पानी गया कहां था?
डंडे में!

तू समझ गया! डंडा खोखला है और मोटी रबड़ का है। इसने इस पाइप से तेरा पानी खींच भी लिया और भर भी दिया!
तुझे जादू सिखाने में मजा आएगा!
मैजिक ट्रिक्स भी और सम्मोहन भी!
सच में। मैं जादूगर बन जाऊंगा? हीही।
हूहूहू!
इतना समय क्यों ले रहा है? जल्दी बता! क्या है कंटेनर का नंबर? कोई रसीद है तो वह दे!
कितनी पर्तों के बीच में छुपा रखा है तूने उस मेमोरी को!
मैं तेरे दिमाग को उधेड़ कर रख दूंगा! छुपा नहीं सकता तू उस जानकारी को मुझसे!
और गहरे खोदना होगा मुझे!

यह पहला स्तर है। ट्रिक यानी हाथ की सफाई का।
अब तक लोग तुम्हें ध्यान से देखने लगेंगे। आंखें जमाकर!
और एक बार आंखें जमीं तो फिर उनका दिमाग तुम्हारे काबू में आ गया!
अब तुम उन्हें जो बताओगे वे उस पर यकीन करने के लिए तैयार होंगे। यह सर्कस के हिप्नोटिज़्म का एक बेसिक रूप है। हजारों दर्शकों के बीच में बस यही हाथ की सफाई यानि ट्रिक चलती है।
और यह काम भी करती है। क्योंकि दूर बैठे होने के कारण वे हमारे बारीक गैजेट्स देख नहीं पाते!

लेकिन अगर दर्शक पास हैं तो असली सम्मोहन चलता है!
बिना अपनी आंख हिलाए उनकी आंखों में देखो! मस्तिष्क का एक ही हिस्सा बाहर से नजर आता है, ऑप्टिक नर्व! वहीं से हम दिमाग पर कब्जा करते हैं।
लेकिन... अगर फिर भी वे सम्मोहित न हुए तो?
होंगे कैसे नहीं?

यह मति भ्रम चूर्ण का कैप्सूल थोड़ी देर के लिए, उनके दिमाग को इतना कमजोर कर देता है कि जादूगर जो कहेगा वे वही देखेंगे।
वह जो पूछेगा, वे अपने दिमाग के किसी भी कोने से उस दबी मेमोरी को ढूंढ निकालेंगे!
और यह फोड़ते ही हवा में तेजी से फैलता है।
पर अगर दर्शक सांस रोक लें तो?
या... उनकी नाक पर मास्क हो तो?

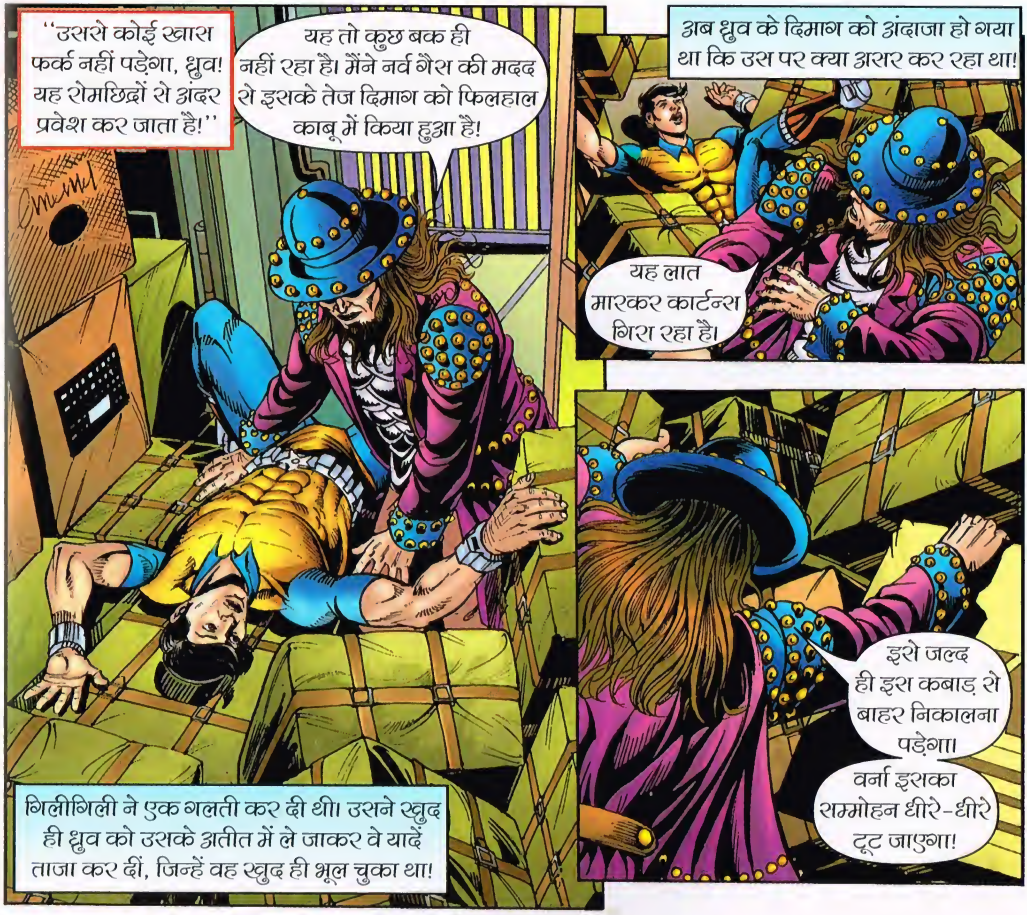
"उससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा, ध्रुव! यह रोमछिद्रों से अंदर प्रवेश कर जाता है!"
यह तो कुछ बक ही नहीं रहा है। मैंने नर्व गैस की मदद से इसके तेज दिमाग को फिलहाल काबू में किया हुआ है!
अब ध्रुव के दिमाग को अंदाजा हो गया था कि उस पर क्या असर कर रहा था!
यह लात मारकर कार्टन्स गिरा रहा है।
इसे जल्द ही इस कबाड़ से बाहर निकालना पड़ेगा।
वर्ना इसका सम्मोहन धीरे-धीरे टूट जाएगा!
गिलीगिली ने एक गलती कर दी थी। उसने खुद ही ध्रुव को उसके अतीत में ले जाकर वे यादें ताजा कर दीं, जिन्हें वह खुद ही भूल चुका था!

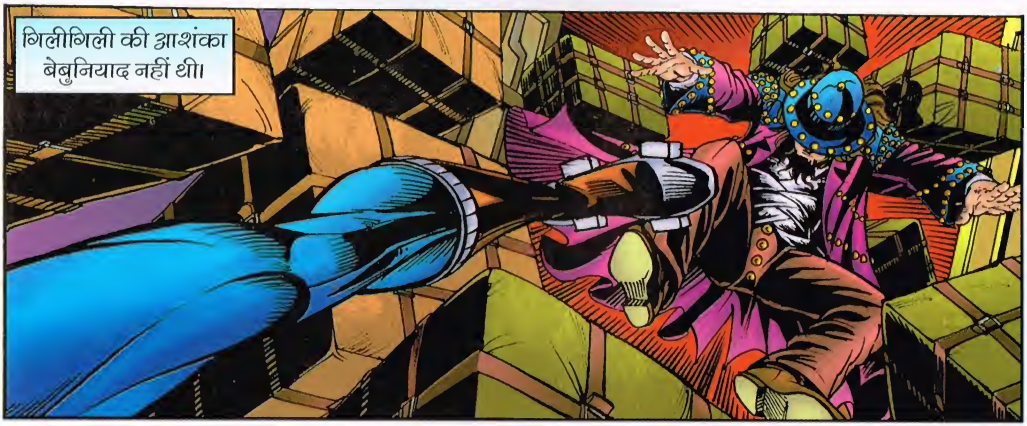
गिलीगिली की आशंका बेबुनियाद नहीं थी।

तूने... खुदको संभाल लिया। असंभव!
असंभव क्यों?... सम्मोहन के लिए... तुमने मुझ पर किसी तरह के... नशीले पाऊडर या गैस का प्रयोग...किया था न!
कार्टनों ने... उसे मेरी खाल से रगड़ कर सीखा लिया है!
य...यह बात तुझे कैसे पता? तूने जादू सीखा है क्या?

सीखा है न!.. अपराधियों को गायब करने वाला जादू!...

तब तो तेरा जादू बेकार जाएगा। हम हंटर्स, कलाकार हैं। जान लेने की कला जानते हैं हम!
और तेरा दिमाग अभी भी मेरे वशीकरण के वश में है।
मॉडर्न भाषा में बोलूं तो तेरे दिमाग के अंदर मेरा 'वशीकरण ऐप' एम्बेड हो चुका है। अब तू चाहे कितनी इच्छाशक्ति लगा ले...

...तू मेरे वशीकरण के असर से बच नहीं सकता!
तेरा शरीर तब तक पिटता रहेगा जब तक तेरी जबान नहीं खुलती!

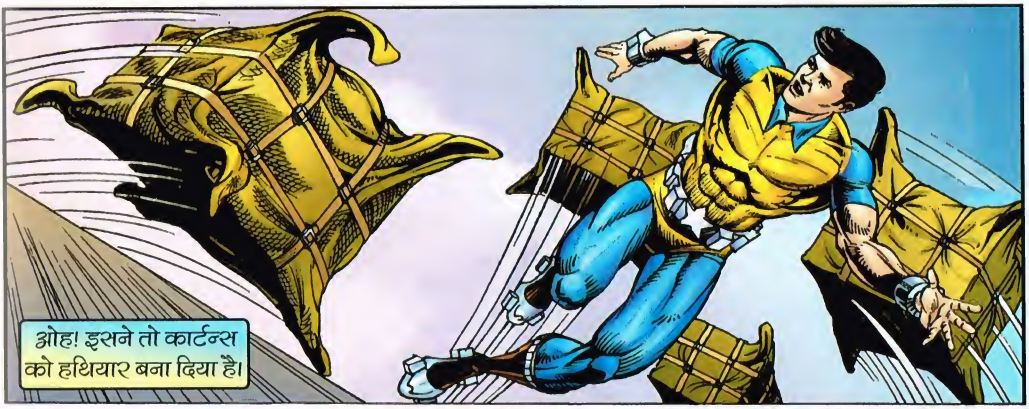
ओह! इसने तो कार्टन्स को हथियार बना दिया है।

मेरा दिमाग मुझे कैसे दृश्य दिखा रहा है?
पर मुझे बचना होगा, मैं रिस्क नहीं ले सकता।
गिलीगिली के वशीकरण ने...

ध्रुव को पूरी तरह से भ्रमित कर दिया था।
ये कार्टन्स तो ऐसे हरकत कर रहे हैं जैसे इनमें जान पड़ गई हो।

ये संख्या में भी ज्यादा हैं और इनका साईज भी इतना बड़ा है, कि बचना...
संभव नहींऽऽऽ! ओऽऽऽ!
ईयाओओओ!
एक भारी कार्टन ने ध्रुव को अपने नीचे दबाया।

और फिर एक के बाद एक भारी कार्टनों का पहाड़ ध्रुव के ऊपर जमा होने लगा।
धम्म
धम्म
धम्म
हाहाहाहा!
अब तक तो तेरी हड्डी पसली टूट कर एक हो गई होगी। लेकिन फिर भी मैं कोई रिस्क नहीं लूंगा।
जब तेरा शरीर, मिट्टी बन ही चुका है...
...तो तेरा क्रियाकर्म भी कर ही दिया...

...जाएऽऽऽऽऽऽ!

क...कौन है?

ध्रुव! तू.. तू.. बच गया! कैसे?

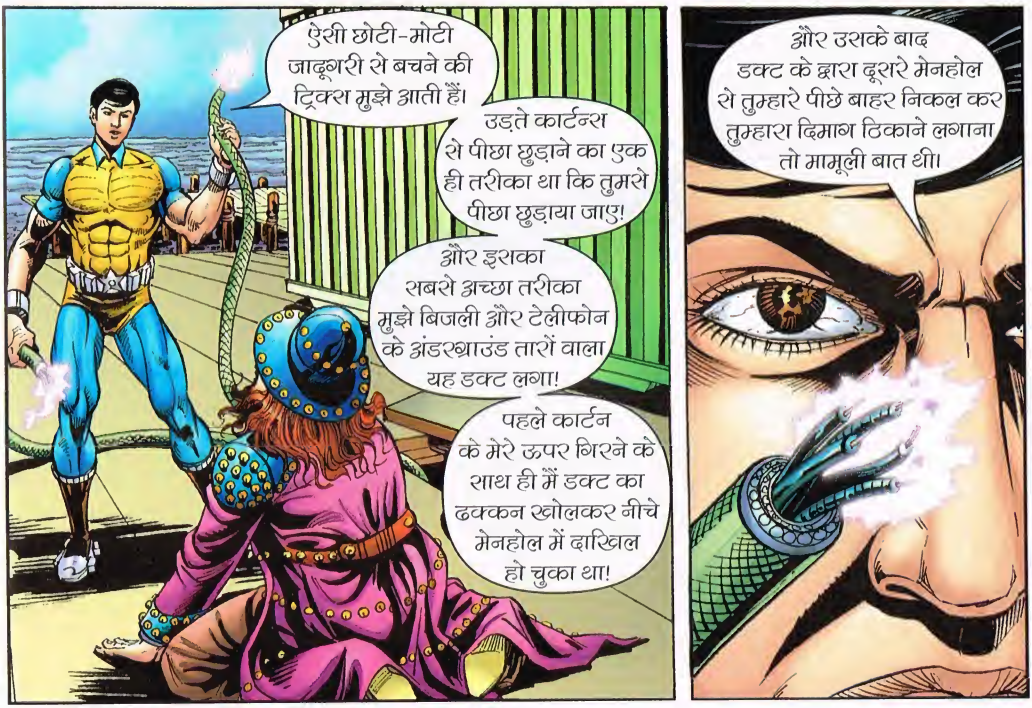

ऐसी छोटी-मोटी जादूगरी से बचने की ट्रिक्स मुझे आती हैं।
उड़ते कार्टन्स से पीछा छुड़ाने का एक ही तरीका था कि तुमसे पीछा छुड़ाया जाए!
और इसका सबसे अच्छा तरीका मुझे बिजली और टेलीफोन के अंडरग्राउंड तारों वाला यह डक्ट लगा!
पहले कार्टन के मेरे ऊपर गिरने के साथ ही मैं डक्ट का ढक्कन खोलकर नीचे मेनहोल में दाखिल हो चुका था!

और उसके बाद डक्ट के द्वारा दूसरे मेनहोल से तुम्हारे पीछे बाहर निकल कर तुम्हारा दिमाग ठिकाने लगाना तो मामूली बात थी।

HIGH QALITI RAJ COMICS KE LIYE
http://rajecomicsworld.blogspot.in/
http://rajecomicsworld.blogspot.in/

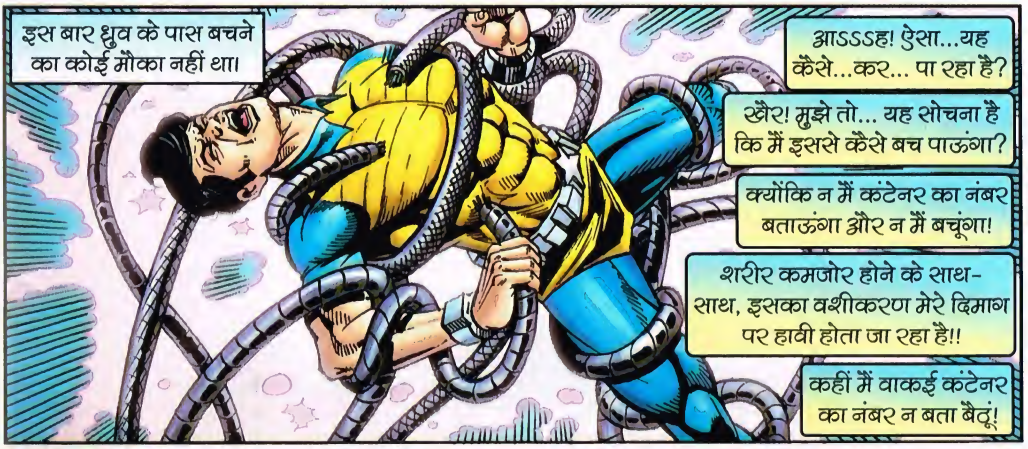

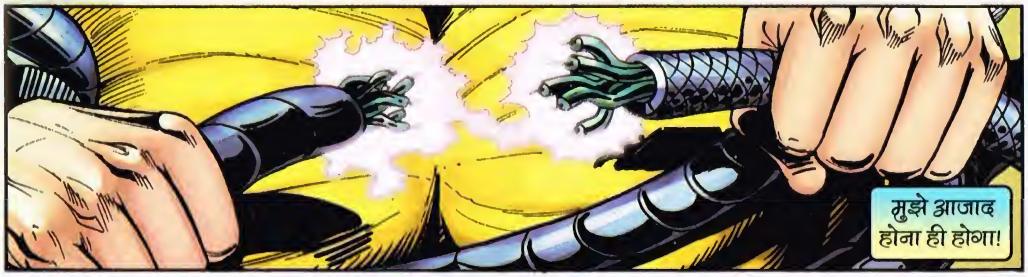

HIGH QALITI RAJ COMICS KE LIYE
http://rajecomicsworld.blogspot.in/
http://rajecomicsworld.blogspot.in/

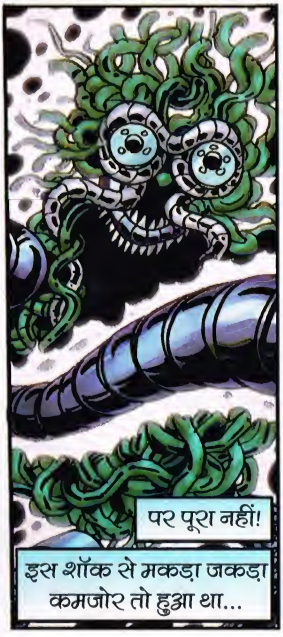

पर अभी भी वह ध्रुव से कई गुना ज्यादा शक्तिशाली था।
अभी भी तू अपनी जान बचा सकता है। नंबर बता दे और मेरा समय बचा ले!
क्योंकि तेरा समय तो पहले ही खत्म हो चुका...
...अरे! यह क्या? तू मकड़ा जकड़ा को जलाकर मारने की कोशिश में है। गुड आइडिया।
लेकिन मकड़ा-जकड़ा तो फायर प्रूफ केबिल्स का बना है। च्च्च्च!
मकड़ा-जकड़ा के शिकंजे से सिर्फ एक ही चीज बाहर आ सकती है...
...तेरी जान! .. अरे! यह कौन?

कौन तो मुझे पूछना चाहिए? चंडिका तो पहले से ही फेमस है!
श्व...चंडिका! तू... तुम... यहां कैसे? क्यों? ऐसी हालत में तुम्हें यहां नहीं आना चाहिए था!!
कैसी हालत में? अच्छी भली तो हूं मैं? तुम पहले अपनी हालत देखो! इन तारों से धींगामुश्ती करते हुए पागल लग रहे हो?
और सब ठीकठाक? हाऊ इज श्वेता?
अरे! तू... तू...मैं सब जान चुका हूं! तू.. तू वापस जा।
तुम...तुम्हें क्या लगता है कि यहां कोई तमाशा चल रहा है?
चल रहा है न! मैजिक शोऽऽ।
अब देखो! मैं तुम्हें गायब करके दिखाती हूं!
तू.. तू पागल हो गई है क्या?

रिचा, तुम अस्पताल में ही हो न?
हांऽऽऽ! देखो, श्वेता को भी थोड़ा-थोड़ा होश आ रहा है।
क्या हुआ कोई प्रॉब्लम है क्या?
यहां, राजनगर शिपयार्ड में...चंडिका आई है यहां पर! गड़बड़ है!!
मैं भी तो टूट गया हूं!
ओ गॉड!
शिपयार्ड में चंडिका आई है। तो?
इससे क्या...
हैलो!... हैलो!
अरे! मेरा स्टार ट्रांसमीटर टूट रहा है या यह भी सम्मोहन का असर है?
मुझे इसके असंख्य बौने रूप चारों तरफ उड़ते नजर आ रहे हैं।

और...और अब यह हमारे शरीर के अंदर घुसने की कोशिश में हैं।
नाक और कान बंद करो! मेरी नाक में तो फिल्टर फिट है। यह उन्हें पार नहीं कर पाएगा!
पर मैं या तो कान बंद कर सकती हूं...
...या नाक!..
और.. मेरी नाक में कोई फिल्टर नहीं है! आऽऽऽह! यह तो...नाक में घुस गया!!
तुम्हें क्या तकलीफ हो रही...
आह!!
ओफ्! जलन हो रही है। पूरे शरीर में! असहनीय जलन!
नताशा! तुम! तुम... चंडिका हो!
ओ शटअप! हूं नहीं, बनी हूं!
नताशा आती तो उससे हेल्प लेने में तुम्हें एलर्जी हो जाती!!
मैं समझ गया था। चंडिका कभी गन का ऐसा प्रयोग नहीं करती!
और नताशा को इसके अलावा कुछ और सूझता नहीं।
पर तुम्हें यह विश्वास क्यों था कि असली चंडिका यहां नहीं आएगी?

वह मुझे...
क्योंकि तुम्हें शायद पता है कि चंडिका असल में कौन है। तुम्हारी कोई खास दोस्त है!
जैसे... श्वेता!
क्या बके जा रहे हो? अभी इस मुसीबत से बचने में दिमाग लगाना चाहिए। तुम तो फैमिली ड्रामा की स्क्रिप्ट लिखे जा रहे...
ओऽऽह!
भून के रख दूंगी तुझे मैं!!
होश में आओ, नताशा!
यह बिलीगिली का सम्मोहन है। इससे लड़ो।
हाहाहा! समझाने का कोई फायदा नहीं!
तुझे सिर्फ तीन मिनट का समय देता हूं मैं!
बता दे कंटेनर का पता! वर्ना तीन मिनट बाद तू तो शायद जिंदा हो, पर यह पक्का जिंदा नहीं होगी।
यह तार हवा में अपने आप कैसे उड़ा..? ओऽऽऽ! मेरा सिर!
ध्रुव का सिर कसकर कंटेनर से टकराया था।
मुझ पर बेहोशी छा रही है। पर मैं बेहोश नहीं हो सकता। नताशा की जान पर बन आएगी!
ध्रुव का दिमाग अंधेरे में डूब रहा था।
और मौत उससे एक पल की दूरी पर थी।

और अब समस्या और भी जटिल होने वाली थी!
वहां से दूर कहीं।
...कन्फर्म है, मास्टर! टार्गेट ब्रुसेल्स में ही है।
एक्सेलेंट! उसे उसकी मां के साथ लेकर तुरंत यहां के लिए निकलो। काम प्यार से हो, या मार से हो, होना ही होना है!
नो प्रॉब्लम मास्टर! हम कुछ ही घंटों में वहां पर होंगे।
गुड! अब हमें जैकब की कोई जरूरत नहीं है।
"या...यूं कहो कि अब काम तभी बनेगा जब पहले उसकी कब्र बनेगी!"
"...स्पाई... स्टेल्थ ड्रोन! न्यू ऑर्डर फॉर यू!"
"शूट टू किल।"
"G.P.S. के अनुसार वे अभी राजनगर और महानगर के बीच के जंगल में हैं। वे वहां से आगे ना बढ़ने पाएं!"
ओफ्! अभी भी कम्बख्त पीछा छोड़ने के मूड में नहीं है।

इसका स्थाई ईलाज करना पड़ेगा।
हाई स्पीड पर लहराकर उड़ते घातक ड्रोन की गति और दिशा भांपकर...
उस पर सटीक वार करना, उस स्त्री की कुशलता की गवाही दे रहा था!
बुल्स आई!
फिर आ रहा है। किसी ढीठ मेटल का बना लगता है।
और भारी चीज चाहिए...
...वार करने के लिए!
बड़ी सख्त-जान है!! और इसके पास अभी भी तीन मिसाइलें बची हैं।
जंगल में हो रहे धमाकों ने...

वन्य जीवों में दहशत पैदा कर दी थी।
राजनगर
नगर सीमा
प्रारंभ
और वे राजनगर की तरफ भाग रहे थे!
ये क्या? ये तो... जंगली बंदर हैं और जंगली बगुले।
ये राजनगर की आबादी में क्यों घुसे आ रहे हैं?
I.C.U
मैंने एक दो धमाकों की बड़ी हल्की सी आवाज तो सुनी थी।
कहीं ये धमाके...
जंगल में ही तो नहीं हो रहे! आंऽऽ!
धमाके वहीं पर हुए हैं। और धुंए की लहर की मोटाई बता रही है कि धमाकों का क्रम इसी तरफ सरक रहा है।
कहीं फिर कोई खतरा श्वेता की तरफ तो नहीं बढ़ रहा?
हो भी सकता है और नहीं भी।
लेकिन अगर यहां बैठकर, उसे यहां तक पहुंचने का मौका दिया तो खतरा बढ़ जाएगा!
अगर खतरा है तो उसे राजनगर के बाहर ही रोकना होगा!
पर इस वक्त यहां पर न तो मिसेज मेहरा हैं और न मिस्टर मेहरा!
पहरा तो पूरा है, पर आंटी मुझसे कहकर गई हैं, कि वे मंदिर होकर जल्द ही आ जाएंगी।

अगर मैं गई और पीछे से कोई मेहमान आ धमका तो? जैसे अभी वह नाटकबाज नताशा आ धमकी थी।
पर असली सवाल यही है कि अगर खतरा है और वह यहां पर आ धमका तो?
और इस सवाल के आगे बाकी, सारे सवाल बेकार हैं।
जवाब है कि...
...ब्लैक कैट जाएगी!
और आंटी जी के आने से पहले काम पूरा करके वापस आएगी!
ऊफ! इस ड्रोन के रहते मैं अपनी गुप्त जगह पर नहीं जा सकती! और यह नष्ट होने का नाम नहीं ले रहा है।
यह किंग लड़खड़ा क्यों रहा है?
हमारी गति ज़रा सी भी धीमी हुई तो ड्रोन को हम पर निशाना लगाने का मौका मिल जाएगा...
किंग पर बेहोशी की दवा अब असर कर रही थी।
आ
ा
ा
ा
ी
ी
ी
घ
बूम
उस धमाके के वेग ने तीनों को जमीन पर ला पटका। उनकी गति थम गई!

और अब वे मिसाइल के लिए 'बुल्स आई' के समान थे! निशाने स्थिर थे...
...पर निशाना लगाने वाला ही हिल गया...
...अंदर तक!
यह सर्कस का ट्रेंड गोरिल्ला लगता है और मैं सिर्फ एक ट्रेंड सर्कस गोरिल्ला किंग को जानती हूं!
अगर यह किंग है तो क्या वह आधे जले चेहरे वाला व्यक्ति जैकब है?
पर यह औरत कौन?.. ओऽऽऽ!
वह रही! पर...
ड्रोन पॉवरफुल है! मुझे ही खींच लिया!
यह ड्रोन तो अब मेरी तरफ मुड़ रहा है!!
पर वह औरत कहां गई?
यह भाग रही है या...

ड्रोन को भगा रही है।
एक आखिरी मिसाइल इसमें अभी भी है। कटकर फटेगा कम्बख्त!
बड़ाम
थैंक्यू! तुम हमला करके ड्रोन का ध्यान न बंटातीं, तो ऐसा निशाना लगा पाना असंभव था।
दैट्स ओ.के.! कुशल कलाबाज हो तुम!
और यह हो क्या रहा है? इन धमाकों से डरकर जंगली पशु पक्षी, आबादी में घुस रहे हैं।
कौन हो तुम? वह ड्रोन तुम्हारा पीछा क्यों कर रहा था?
ड्रोन तो हमारा पीछा हमें मारने के लिए कर रहा था! पर तुम हमारा पीछा क्यों कर रही थीं?
पीछा नहीं, जांच! तुम जैकब को लेकर कहां जा रही थीं?
जैकब कौन है?

HIGH QALITI RAJ COMICS KE LIYE
http://rajecomicsworld.blogspot.in/
http://rajecomicsworld.blogspot.in/

यानि कुछ तो गड़बड़ है!
अब तो बिना तुम्हारा रहस्य जाने मैं तुम्हें जाने नहीं दे सकती!
मुझे देखकर ही काली बिल्ली भी डर से सफेद हो जाती है।
मैंने यह भी सुना है कि बिल्ली को मारने पर सोने की बिल्ली दान की जाती है।
तो पहले तुझे मौत की नींद सुला दूं, फिर सोने की बिल्ली भी दान कर दूंगी। खुशी में।
मेरी बिल्ली...
...और मुझ ही से म्याऊं!
मैंने कहा न कि ब्लैक कैट तुम्हारा रास्ता काट चुकी है।
अपनी किस्मत पर क्यों जुल्म ढा रही हो! मान जाओ!

फिलहाल मुझे सिर्फ जैकब चाहिए।
जैकब मेरे पास होगा तो तुम अपने आप...
अरे! जैकब को तो गोरिल्ला जंगल में ले जा रहा है।
तुझसे ज्यादा समझदार है बंदर! तुझे भी ऐसे ही चुप-चाप निकल लेना चाहिए था।
धड़ाक
ओफ्! अभी यह जमीन पर थी और अभी डाल पर अ-विश्वसनीय कलाबाजियां खा रही है। कौन है यह औरत?
दोनों ही एक दूसरे से इक्कीस थे-
पर उनके झगडे का अंत यूं होगा इसका उनहें आभास नहीं था।
ड्रोन में अभी एक हथियार बचा हुआ था।
बड़ाम्म
'सेल्फ-डिस्ट्रक्शन' का हथियार। गनीमत थी कि धमाका उनसे थोड़ी दूर पर हुआ था।
पर धमाका दोनों को हिला डालने के लिए काफी था।

न जाने कितनी देर तक दोनों जमीन पर निश्चल पड़ी रहीं।
पर धमाके का ज्यादा जोर ब्लैक कैट ने झेला था।
ओफ्! सिर में भीषण दर्द हो रहा है।
मुझे यहां से.. जाना होगा।
किधर जाना है मुझे...?
इधर!
...वह जंगल से बाहर राजनगर एक्सप्रेस हाईवे पर आ चुकी है।
BALASIR 210
N. H. 152
RAJ
यह...इधर मैं किधर जा रही हूं, कुछ समझ नहीं आ रहा है।
अब जंगल में यह सड़क कहां से आ गई?
उस औरत को यह आभास नहीं था कि...
रामसिंह! ब्रेक लगाओ!!
क्रीईईच

शाबाश रामसिंह! देखो यह सड़क पर गिर क्यों गई है? है कौन यह?
ब्लैक कैट को भी संभलने में ज्यादा वक्त नहीं लगा था।
ओफ्! सिर के अंदर ये हथौड़े कौन चला रहा है?
...और वह मुसीबत कहां गई? उधर पत्ते टूटे पड़े हैं। वह उस तरफ ही गई होगी।
ब्लैक कैट का दिशा अनुमान सटीक था।
आप कौन से मंदिर होकर आई हैं, मालकिन? रास्ते में ही पंगा हो गया।
छोड़िए इसे यहीं पर! हम चलते हैं। एम्ब्युलेंस और 100 पर फोन कर देते हैं।
पागल हो क्या? हालत देखो इसकी! एम्ब्युलेंस आने तक यह बचेगी क्या?
जरूर कोई इसके पीछे है। मार डालेगा इसे। इसे गाड़ी में डालो! जल्दी?
आप दिमाग से कम और दिल से ज्यादा काम लेती हैं, मालकिन!
कहीं यह कोई मुसीबत हुई तो साहब...

HIGH QALITI RAJ COMICS KE LIYE
http://rajecomicsworld.blogspot.in/
http://rajecomicsworld.blogspot.in/

सही कहा, रामसिंह! पता करना पड़ेगा।
आखिर हूं तो कमिश्नर राजन की पत्नी!

गाड़ी रोको और पट्टियां खोलो इसकी। इसके मुंह पर पानी छिड़को।
इसे उतारकर मैं अपने मुंह पर बांध लेता हूं!
जब कुछ भी बोलूं, उल्टी मुझ पर पड़ती है।

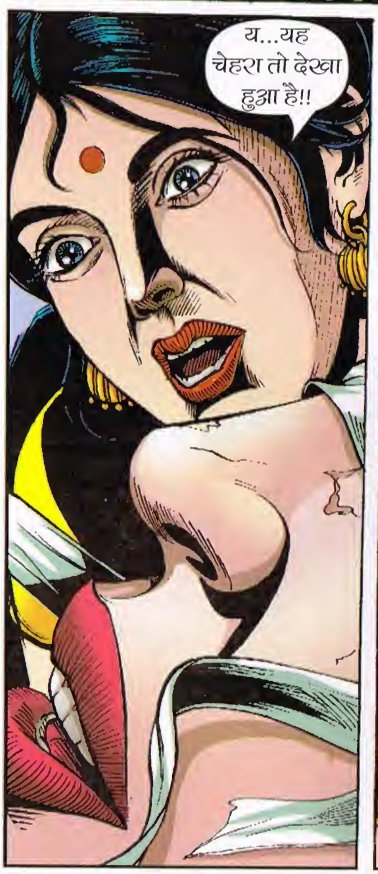
य...यह चेहरा तो देखा हुआ है!!

एक मिनट!! एक... एक मिनट!
वह फोटो कहां गई?... हां, यही तो है वह तस्वीर! और... यह तो!...
रामसिंह! तुम गाड़ी चलाओ। फटाफट!

हां! आप तुरंत अस्पताल पहुंचिए! हां जी, अस्पताल!... तुरंत!!
यहां पर एक... जलजला! आया है!... नहीं, श्वेता तो ठीक है! मैं गाड़ी में हूं!

...एक घायल औरत के साथ। मंदिर से वापस आते वक्त यह जंगल से निकल कर मेरी गाड़ी के आगे गिरकर बेहोश हो गई थी।
इस औरत को देख कर मुझे अपनी आंखों पर यकीन नहीं हो पा रहा है।
आप देखेंगे तो आपके भी पैरों तले जमीन खिसक जाएगी।
JUNGLE
RAJNAGAR
यह क्या पहेलियों में बातें कर रही हो रजनी? साफ-साफ कहो जो भी कहना चाहती हो।
मैं अभी एक जरूरी मीटिंग में हूं। पहेलियां बूझने का समय नहीं है मेरे पास।
पहेली ही तो है यह औरत! और इस पहेली को सुलझाने के लिए आपको समय निकालना होगा।
हम बस दस मिनट में अस्पताल पहुंच रहे हैं। आप भी पहुंचिए!
कुछ तो बताओ हुआ क्या है?
मैं... मैं कहां हूं?

क..कौन हो तुम? मेरी पट्टियां और कैप दो। और.. और मेरा चश्मा!! रोको गाड़ी वर्ना मारे जाओगे।
रोको!
क्या करूं मालकिन? यह तो... पागल हो रही है। मैंने कहा था न किसी गैंग की है।
चलाते रहो! रुके तो यह भाग जाएगी।
एक बार चेतावनी...
दूसरी बार उठावनी!
कड़ाक
एक तेज आवाज हुई...
और उसके बाद सन्नाटा छा गया।
धड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़

रजनी! हैलो। रजनी! क्या हुआ? जवाब दो!...
रजनी!!
दुर्घटनाग्रस्त S.U.V. से सिर्फ एक ही आकृति बाहर निकली थी।
और रजनी के अनुसार वह एक ऐसा जलजला थी जो ध्रुव की जिंदगी अस्त-व्यस्त करके रख देने का माद्दा रखती थी।
तुम्हारे बेटे को जादू सीखने में दिलचस्पी क्यों नहीं है, राधा!
उसके हाथ तो जादूगरों से भी तेज चलते हैं! दो बैठक में ही वह थोड़ा बहुत सम्मोहन भी सीख सकता है।
लेकिन यह तो गायब हो जाता है!
JUPITER
वह अपने दिमाग पर ज्यादा भरोसा करता है।
दूसरों के दिमाग को कंट्रोल करने में रुचि नहीं रखता!
उसे पता नहीं है कि असली ताकत दूसरों का दिमाग कंट्रोल करके ही हासिल की जाती है।
ध्रुव!

"देखो, यह देखा इसने मेरी तरफ!"
"अब इसका दिमाग मेरे कंट्रोल में है।"
अरे! य... यह स्लोप कहां से आ गया? इसे अंकल जैकब ने कब बनवाया? किसी नए स्टंट के लिए?
अरे.. अरे.. कितनी तेज पैर चलाने पड़ रहे हैं। और कितना गहरा है यह स्लोप!
और अ... अब यह क्या है? यह हो क्या रहा है?
मम्मी
अब वह अपना दिमाग लगाकर कैसे बचेगा राधा? तेजी से लुढ़कता ड्रम, सामने से आते बर्फीले तीर!
"या तो संतुलन बनाएगा या तीर खाएगा!"
"क्योंकि छुपने का रास्ता तो मैंने उसे दिया ही नहीं।"
देखा, राधा! जादू की ताकत! वशीकरण का शिकंजा! समझो, और समझाओ अपने बेटे को कि वह एक महान जादूगर बन सकता है।
फिर उसे नए नए, खतरनाक स्टंट करने की जरूरत ही नहीं रहेगी।
फिर उसके हर शो में डबल भीड़ आएगी!...

हैं! यह.. तो बर्फ है! मैंने अपना बर्फीला जादू...
कुछ ज्यादा ही फैला दिया है क्या?
और यह बर्फ मुझ पर ऐसे चिपक रही है जैसे मैं चुंबक हूं...
...और यह बर्फ लोहे का बुरादा!
अरे! मुझे पूरा स्नोमैन बना दिया है!
पर कैसे?
बस इसकी कमी है, पाशा चाचा!
ऐसे, चाचा!
चटाक
चुटकी बजी!

और सम्मोहन टूट गया!
अरे! बर्फ गायब!! मेरा जादू मुझ पर ही चला दिया तूने।
बरा यह गाजर असली है! और स्वादिष्ट भी। (कडन्च)
पर यह तूने किया कैसे?
आपने ही सिखाया है, पाशा चाचा!
मैंने अपने पैर पर ही कुल्हाड़ी मारी! पर कैसे?
आपने बताया था न कि जब कोई जादूगर हमें सम्मोहित करता है, तब वह हमारे दिमाग से जुड़ जाता है!
और साथ में हम भी उसके दिमाग से जुड़ जाते हैं! उस वक्त जादूगर जो भी जादू दिखा रहा होता है, उसमें वह विश्वास कर रहा होता है।
जैसे अभी आप बर्फ के तीर चलाकर बर्फ पर विश्वास कर रहे थे।
आपने बताया था कि उसके इसी विश्वास का फायदा मैं भी उठा सकता हूं, अगर मेरा दिमाग ज्यादा स्ट्रॉंग है तो।
आपने बर्फ के तीर चलाए, मैंने पलटकर आप पर बर्फ गिरा दी!
तू सही कहती है, राधा! यह आपने दिमाग पर ही भरोसा करता है।
और इसका भरोसा एकदम सही है!
बेहोशी के आलम में ध्रुव का दिमाग, सम्मोहन के चाकू से उसके बालपन की पर्तें छील रहा था।

जबकि बेसब्री में गोता लगाता हुआ गिलीगिली ध्रुव के दिमाग में उस खास कंटेनर का नंबर तलाश रहा था-
इतनी देर तक मौत को गिलीगिली ने कभी इंतजार नहीं कराया...
मैं जानता हूं तू मौत से नहीं डरता! जबान नहीं खोलेगा!
पर तू सिर्फ अपनी मौत से ही नहीं डरता...
...या किसी की भी मौत से नहीं डरता?
अपनी बहन को तो मौत के दरवाजे तक धकेल ही चुका है तू! अब क्या अपनी दोस्त को उस पार पहुंचाएगा?
तेरे पास सिर्फ तीन सेकेंड हैं नंबर उगलने के लिए!
एक!
यह सीरियस है। और नताशा का दिमाग इसके कब्जे में है!
मेरे हरकत में आने तक अनहोनी घट जाएगी।
दो!
फिलहाल कंटेनर का नंबर बताना ही होगा चाहे झूठा ही...
इधर ध्रुव का मुंह खुला...
उधर गिली-गिली का...
ती...

लेकिन दोनों की ही आवाजें निकलने से पहले नताशा की चीख उबल पड़ी।
आह!
किक के एक ही वार ने नताशा के होश हर लिए। खास मर्मस्थल पर सटीक वार था वह!
किसी मंझे हुए फाइटर का वार!
य... यह क्या हो रहा है? उसी पोशाक में एक और लड़की!!
क्या चक्कर है? मेरे पास पहेलियां सुलझाने का वक्त नहीं है!
या...कहीं... यह गिलीगिली का ही कोई नया वशीकरण वार तो नहीं है?
वैसे तो मैं तुम्हारी मदद जरूर करती, पर मुझे पता है कि तुम इससे अकेले ज्यादा अच्छी तरह से निपट लोगे।
यह कटा हुआ सूट तो मैंने घर पर संभाल कर रखा था।
यह...सूट इसे कैसे मिला? कौन है यह?
दिक्कत हो तो उस बॉक्स का यूज करना!
इतना व्यवधान मैंने अपनी जिंदगी में कभी नहीं झेला।

अब मैं तेरे दिमाग की पूरी चीर फाड़ कर डालूंगा!
य... यह क्या हो रहा है?
समुद्र में ऐसे झरने फूट ही नहीं सकते! असंभव है येऽऽऽ!
आऊऽऽऽ! गड़ब्!
इतनी तकलीफ दूंगा तुझे कुछ ही सेकेंडों में सब बक देगा!
तबाही से तकलीफ होती है न तुझे! तो ले! देख तबाही का ऐसा मंजर जिसे देखकर तेरा दिमाग भी फट पड़ेगा!
ओफ्! पता नहीं यह इसका जादू है या पहले से फिट असली बमों का धमाका!
पर एक बात सच है! इनसे मुझे बेइंतहा तकलीफ हो रही है!
इसे रोकना होगा!

असंभव कुछ भी नहीं होता। तुम्हारी जबान खुलवाना भी नहीं।...
और न ही इन तारों को अपने ईशारे पर चलाना। तुम तो ऐसा कर भी चुके हो। तुम्हारे लिए तो यकीन करना आसान होगा!
वैसे... इन तारों में...
...करेंट अभी भी दौड़ रहा है।
याआईई
अब बताओ! कौन हैं हंटर्स? क्यों चाहिए उन्हें वह कंटेनर?
मैं... मैंऽऽ... मेरा सिर! मैं बेहोश हो रहा हूं!
चट्
बेहोश मत हो अभी! वह मैं तुम्हें बाद में कर दूंगा! अभी जवाब दो!
चुटकी की गूंज खत्म होने के साथ-साथ चारों तरफ फैला जलजला शांत हो गया।
य...यह क्या था? मैं तो बीला तक नहीं हूं! यानि मैं जो देख रहा था वह भ्रम था। तू... तू मुझ पर उल्टा वशीकरण चला रहा था!!
पर कैसे?
ग्रेट मैजीशियन पाशा की ट्रेनिंग मुझे तुमने ही याद दिलाई है!
जब तेरा दिमाग मेरे दिमाग से जुड़ा हुआ था तो वार दोनों तरफ से हो सकता है न!

पाशा! पाशा गुरू??
तुम.. पाशा को जानते हो? कौन हो तुम? कौन हैं हंटर्स?
हंटर्स वे हैं, जो शिकार का पीछा तभी छोड़ते हैं जब शिकार की जान उसे छोड़ दे!...
पाशा की ट्रेनिंग का ज़िक्र करके अच्छा किया तूने!
अब मैं तुझ पर ऐसा वार करूंगा जिसकी काट तू सीख ही नहीं सकता!
हंटर्स का एक ही नियम है। शिकार की जबान खुलवाओ।
और अगर जबान न खुले तो उसका सीना खोल दो!
ओफ्! दो-दो गिलीगिली!
दो नहीं, चार!
छः!
आठ!
दस!!
आऽऽह! पता नहीं यह सम्मोहन है या मैजीशियन ट्रिक या कुछ और इससे निपटने का एक ही तरीका मुझे समझ आ रहा है।

मुझे अपनी आंखों को बंद करना पड़ेगा!
तभी मैं इसके भ्रमजाल से उबर...
अरे! यह बॉक्स!!
इसे तो वह लड़की... चंडिका देकर गई थी!
क्या है इस बॉक्स में?
ओफ्! इसमें किसी पेड़ की जड़ है। और इसमें से तेज महक आ रही है...
महक के फैलते ही धुंध होने लगी और-
अरे! बिलीगिली लड़खड़ा रहा है!!
और इसके प्रतिरूप गायब हो रहे हैं।
य...यह तो दुर्लभ 'सलग्राही वट' की महक जड़ है! मुझे इससे एलर्जी है! मेरी... मेरी सांस उखड़ जाती है इसकी महक से!
पर.. यह अत्यंत गुप्त बात... चंडिका कैसे जान सकती है?
बिलीगिली को यह क्या हो रहा है?
इसे वापस बुलाओ। अगर यह ध्रुव के हाथों में पड़ गया तो गजब हो जाएगा।

अगले ही पल-
मिस्टर ध्रुव!
आइए, इंस्पेक्टर साहब! हमेशा की तरह आप दो सेकेंड लेट आए हैं।
हम आए नहीं हैं, ध्रुव, लाए गए हैं।
बड़ा ढूंढना पड़ा तुम्हें!
यह कोर्ट नोटिस तुम्हें तुरंत सर्व करने का ऑर्डर है।
नोटिस! कैसा नोटिस?
ये हमारे क्लाइंट हैं, मिस्टर जॉनाथन स्टोन!
अरे! यह... तो गया। इसके पीछे चिड़ियों को भेजना पड़ेगा।
चीचीची!
इन्होंने आपकी सारी प्रॉपर्टी पर अपना दावा पेश किया है। वह प्रॉपर्टी जो आपने जुपिटर सर्कस के इंश्योरेंस क्लैम के 50 लाख रूपए से बनाई है।
वह तो लीगल था। उसमें मेरा नाम बेनिफीशियरी के तौर पर शामिल था।
जो कि जैकब ने किया था।

हां! पर ये मिस्टर स्टोन दावा किस आधार पर कर रहे हैं?
क्योंकि जैकब मेरा बाप था। वह मेरी मां का छोड़कर भाग गया था!
हमें उसकी सारी संपत्ति चाहिए!

जुपिटर शर्कस मेरे बाप के पैसे से बना। उस पर मिलने वाले किसी भी मुआवजे पर मेरा हक है। मेरा! सिर्फ मेरा!

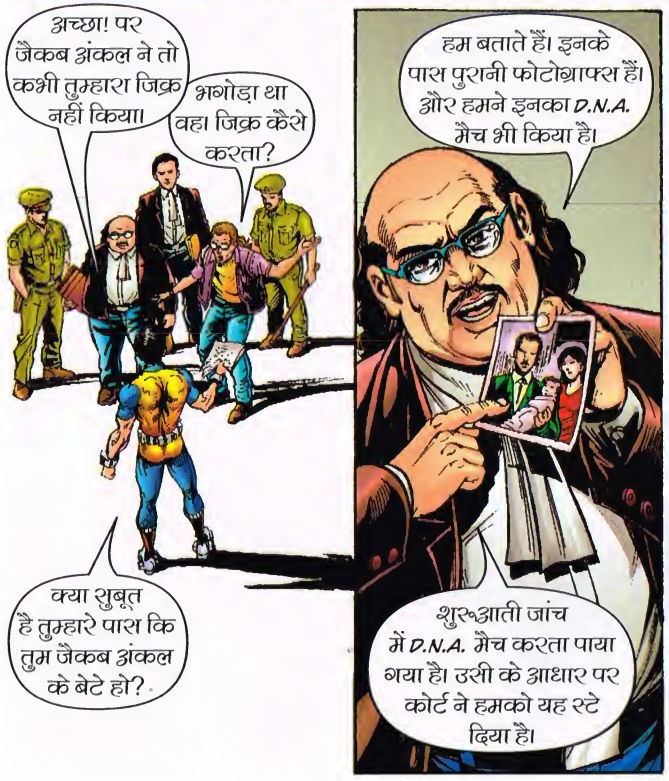
अच्छा! पर जैकब अंकल ने तो कभी तुम्हारा जिक्र नहीं किया।
भगोड़ा था वह। जिक्र कैसे करता?
क्या सुबूत है तुम्हारे पास कि तुम जैकब अंकल के बेटे हो?
हम बताते हैं। इनके पास पुरानी फोटोग्राफ्स हैं। और हमने इनका D.N.A. मैच भी किया है।
शुरूआती जांच में D.N.A. मैच करता पाया गया है। उसी के आधार पर कोर्ट ने हमको यह स्टे दिया है।

D.N.A.! जैकब अंकल का D.N.A. कहां से आया?

आप जब फ्रांस गए थे, तब उस घटना के ठीक पहले जैकब अस्पताल में भर्ती थे।
हमें वहां से उनकी D.N.A. रिपोर्ट मिल गई है।
उनकी अंगुलियों के निशान जल जाने के कारण पुलिस ने उनके सैंपल D.N.A. के लिए भेजे थे, पहचान करने के लिए।
आज से फैसला आने तक आपका न आपकी किसी चीज पर हक है और न जुपिटर सर्कस की किसी चीज पर!
जांच पूरी होने तक सभी चीजें कोर्ट की कस्टडी में रहेंगी, हमारे पास!
और इन चीजों में आपका घर, सामान सब कुछ शामिल है।
आप जो कंटेनर यहां पर लेने आए हैं वह भी जुपिटर सर्कस की संपत्ति है।
कोर्ट का फैसला आने तक आप उसे छू भी नहीं सकते। लीजिए साईन कीजिए।
शुक्र मनाइए कि हम यहां पर आपके ब्रेसलेट और बेल्ट नहीं उतरवा रहे हैं।
ये भी जैकब के..
गलत! यही तो मेरी इकलौती कमाई हैं।
मेरे प्यार की कमाई हैं ये, मेरी बहन ने पहनाए हैं ये मुझे!
दुनिया के किसी कानून में ऐसी ताकत नहीं है कि इन्हें मेरी कलाई से उतरवा सके।
देखते हैं। अभी तो कोर्ट से सिर्फ स्टे मिला है! दो दिनों बाद सुनवाई है केस की!
पहुंच जरूर जाना राजनगर मेन कोर्ट में।

जिस इंसान का रास्ता तूफान भी नहीं रोक पाए थे, उसे कागजों की कैद ने बांध लिया था!
अब यह स्टोन वाला एंगल क्या है? यह इतने सालों बाद एकाएक कहां से टपक पड़ा?
क्या यह कंटेनर मुझसे दूर रखने का आखिरी मोहरा था? क्योंकि मुझे सिर्फ एक ही चीज रोक सकती है।
कानून!
CALLING
RICHA
MOBILE
और अब उसके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं बची थी।
"ध्रुव! कहां हो तुम? जल्दी अस्पताल पहुंचो। आंटी को अभी-अभी अस्पताल लाए हैं। ... एक्सीडेंट हो गया है उनका!... हैलो... हैलो! तुम सुन रहे हो न?.. हैलो!!

ममी का एक्सीडेंट! यह संयोग नहीं हो सकता! और फिर... डॉकयार्ड पर चंडिका का आना कैसे संभव है, जबकि श्वेता अभी बेड से उठ भी नहीं सकती!
"...तो वह चंडिका बनी लड़की थी कौन?"
यह..म..मैं कहां हूं? और तुम... तुम कौन हो?
कमाल है। तुम मुझे नहीं पहचानती? मैं चंडिका हूं! ध्रुव की दोस्त! तुम तो जानती हो मुझे।
तू चंडिका नहीं हो सकती! अच्छी तरह जानती हूं मैं उसे! तू उसका कोई रेकेंड हैंड एडिशन है।
सवाल ये है कि तुम कौन हो? ध्रुव की दोस्त या दुश्मन से भी बदतर दोस्त! याद करो!
मैं तो ध्रुव की मदद करने वहां गई थी। पर तेरा क्या मकसद है? तू खुद बता कि तू कौन है?
जवाब दे चुकी हूं मैं!
वैसे तुम ध्रुव की मदद करने ही आई थीं, ताकि वह हार न जाए! उसके हारने से तुम्हें कुछ नुकसान होना तय था शायद!
HIGH QALITI RAJ COMICS KE LIYE
http://rajecomicsworld.blogspot.in/
http://rajecomicsworld.blogspot.in/
तुम बिलीगिली को पहले से जानती थीं। उलूक को भी जानती थीं। और यह भी जानती थीं कि वे हंटर्स हैं।
और हंटर्स का जीतना मतलब तुम्हारा हारना है। सच है न?
काफी जानती हो तुम! फिर यह तो जरूर जानती होंगी...

...कि मैं रोबो की बेटी हूं! रोबो की लेजर आई जैसी लेजर रिंग पहनती हूं!

और सच है कि रोबो आर्मी हंटर्स के बारे में जानती है! हां, कभी हमारी मुलाकात नहीं हुई!
पर इस मुलाकात को बेकार नहीं जाने दूंगी। तुम्हारा तो मैं पूरा अता-पता लेकर ही जाऊंगी।

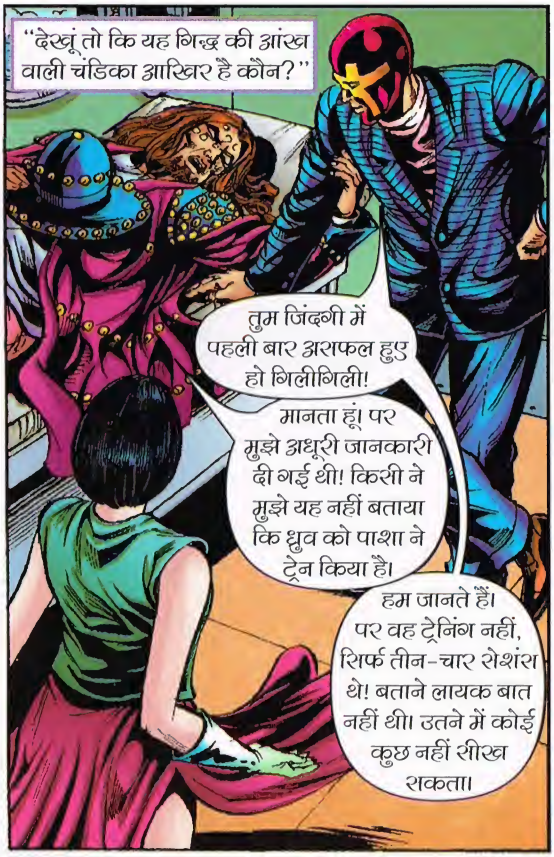
"देखूं तो कि यह गिद्ध की आंख वाली चंडिका आखिर है कौन?"
तुम जिंदगी में पहली बार असफल हुए हो गिलीगिली!
मानता हूं! पर मुझे अधूरी जानकारी दी गई थी! किसी ने मुझे यह नहीं बताया कि ध्रुव को पाशा ने ट्रेन किया है।
हम जानते हैं। पर वह ट्रेनिंग नहीं, सिर्फ तीन-चार सेशंस थे! बताने लायक बात नहीं थी। उतने में कोई कुछ नहीं सीख सकता।

आप क्या जानों कि उसने मुझे क्या-क्या दिखाया है!! उसने जो भी सीखा है, भूला नहीं है!!
लेकिन मैं फिर भी उससे निपट सकता था। कंटेनर का नंबर भी जान सकता था। अगर वह चंडिका बीच में न आती तो!

"वह जानती थी कि मुझे दुनिया में सिर्फ एक चीज से एलर्जी है। दुर्लभ सलग्राही पेड़ की जड़ से! वह यह बात कैसे जानती थी?"
यह बात तू महंत महाराज को जरूर बताना शायद वे तेरी जान बख्श दें। घंटे भर में हम वहां पहुंच जाएंगे। फिर तुझे या वैद्यराज देखेंगे या मौत!
रुकजा! और... और हम्फ्... मत दौड़ा!
बस! अब उफ्.. और नहीं!
यह कैसी बलि है? कौन सा तरीका है यह?
मैंने कहा न, बस! क्षमा कर!
तू नया है न! वक्र कुमार सबको बराबर का मौका देते हैं।

"हां, तो सांड को बराबरी का मौका दिया जा रहा है न!"
"और वक्र को निहत्था मत समझो!"
"उसे महंत महाराज ने दो साल की उम्र से ही तपाना शुरू कर दिया था! उसको जो ट्रेनिंग दी गई है वह बस पूछो नहीं..."
यह कौन सा बराबरी का मौका है कवच पहने शिकारी सांड के आगे एक निहत्था युवक!
"साक्षात मौत सामने टिक पाए तो टिक पाए।"
कड़ाक

"वर्ना पशु-इंसान के बस की बात तो है नहीं।"
कुमार वक्र की जय हो!
बांऽऽऽ
आ ऽह
नहींऽऽऽ!
अब बलि संपन्न हुई।

तू ठीक है न, वक्र? घाव गहरा है?
हां, बाबा! गहरा तो है!...
लेकिन वैद्य बाबा की कृपा से...
घाव कुछ पलों में...
...भर जाएगा।
लो, बाबा! मां भी आ गई मंदिर से पूजा करके।
रहा नहीं गया? तुम बाप-बेटे ने बेजुबान जानवर की बलि दे ही डाली।
कब बंद करोगे इस क्रूर प्रथा को? अब आरती लेकर कुछ तो पाप कम करो अपने!

और सुन लो! बचपन से ही मेरे लाख रोकने के बाद तुमने बेटे को अपने जैसा तो बना लिया, पर आज के बाद यहां कभी बलि नहीं दी जाएगी।
बोलो शिव! शिव! शिव!
तेरी मां तेरे युद्ध कला सीखने के खिलाफ कतई नहीं है। डरती है शायद कि बेटे को खो दूंगी।
हां! और बार-बार हेलीकॉप्टर लेकर दूर पहाड़ी मंदिर जाने की क्या जरूरत है उन्हें?
हेलीकॉप्टर के बगैर कितना काम अटक जाता है! यहीं कहीं पास के मंदिर में चली जाया करें।
शीऽऽऽ! यह आस्था की बात है, बेटे। और वह मंदिर अपने बेटे की रक्षा के लिए ही तो जाती है।
मठेश, जय हो! आपके लिए फोन है...
"यूक्रेन से..."
आपका काम हो जाएगा जनरल!
कब हो जाएगा? जब यहां की सरकार हमें ढूंढकर कुत्ते की मौत मार देगी।
भूलना मत, हटर्स!...

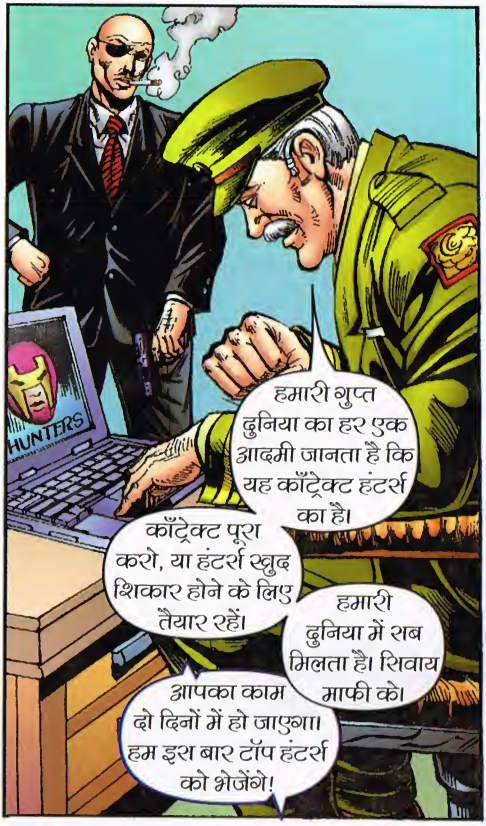
HUNTERS
हमारी गुप्त दुनिया का हर एक आदमी जानता है कि यह कॉंट्रेक्ट हंटर्स का है।
कॉंट्रेक्ट पूरा करो, या हंटर्स खुद शिकार होने के लिए तैयार रहें।
हमारी दुनिया में सब मिलता है। सिवाय माफी के।
आपका काम दो दिनों में हो जाएगा। हम इस बार टॉप हंटर्स को भेजेंगे!

दुनिया में निगरानी वाले यंत्र बहुत तरक्की कर गए हैं।
दीवान से बात कराओ। वह उस फॉर्मूले तक पहुंचा या नहीं। अब तो वह बिलीबिली की मदद ले रहा है। सफल हुआ ही होगा।
बगैर 'लुप्त विलयन' के बारे में पूरी जानकारी जुटाए कोई भी काम करना मुश्किल हो रहा है।

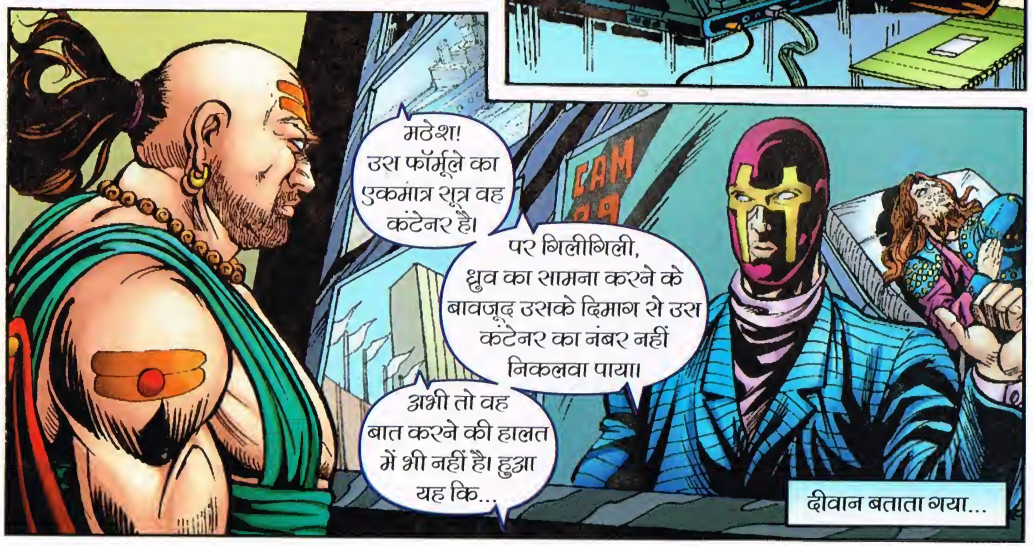
मठेश! उस फॉर्मूले का एकमात्र सूत्र वह कंटेनर है।
पर बिलीबिली, ध्रुव का सामना करने के बावजूद उसके दिमाग से उस कंटेनर का नंबर नहीं निकलवा पाया।
अभी तो वह बात करने की हालत में भी नहीं है। हुआ यह कि...
दीवान बताता गया...

...और मठेश की त्यौरियां चढ़ने लगीं।
भीतरघात हो रहा है हमारे साथ। कोई हमारे शिकारों को एलर्ट भेज रहा है। पता करना होगा उसका?
लेकिन उससे पहले हमें कंटेनर का पता चाहिए! जो अब तक रहस्य बना हुआ है।
रहस्य खुल चुका है!
कंटेनर का पता मिल चुका है।
मिल गया। पर कैसे?
मेरा अपना प्लान अलग चल रहा था बाबा!
और अब मैं खुद जाऊंगा उस कंटेनर को लेने!
समय कम है। हम किसी और ऑपरेटिव पर भरोसा नहीं कर सकते!
पर... तुम्हें कंटेनर का पता चला कैसे?

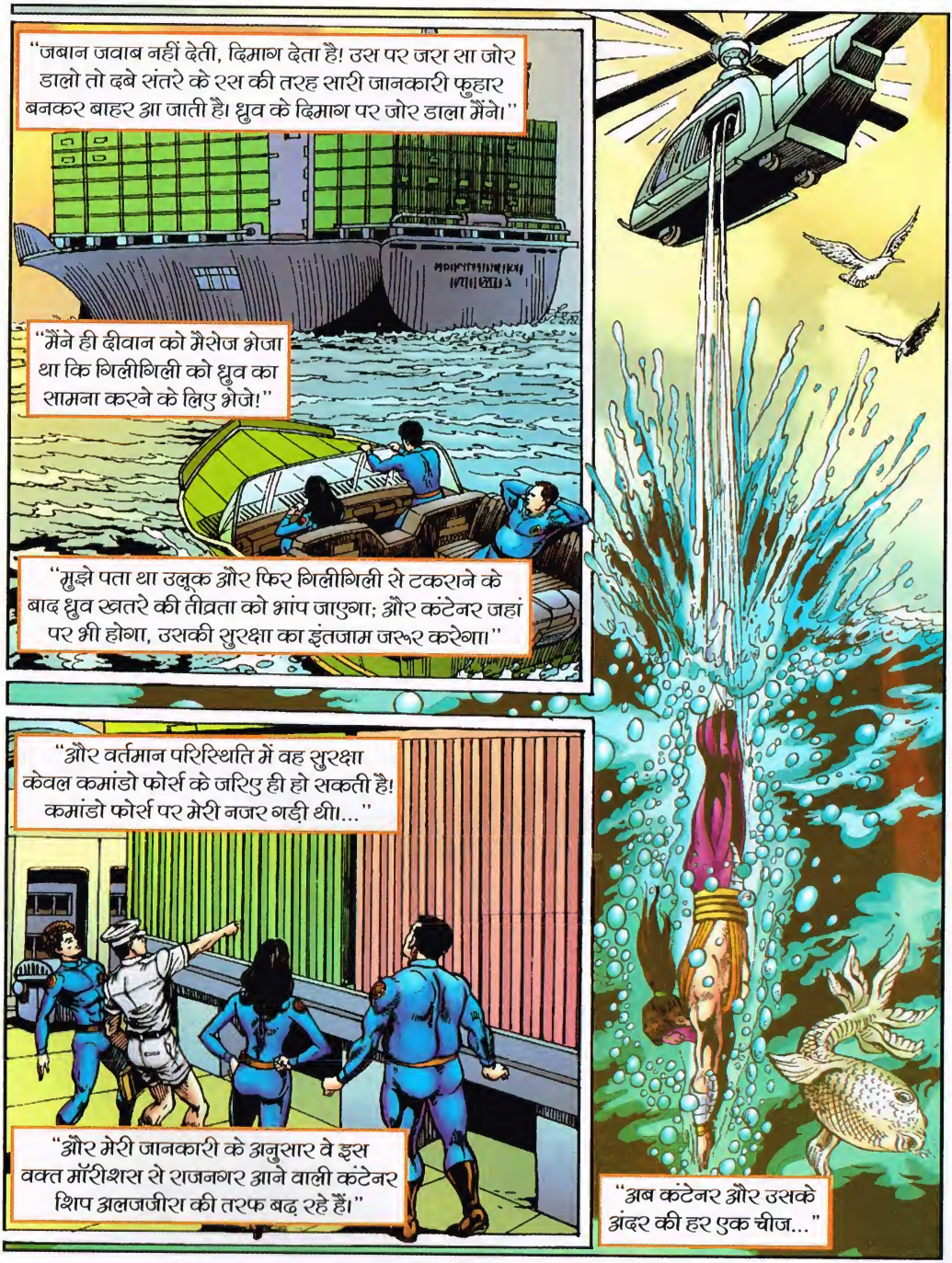
"जबान जवाब नहीं देती, दिमाग देता है! उस पर जरा सा जोर डालो तो दबे संतरे के रस की तरह सारी जानकारी फुहार बनकर बाहर आ जाती है। ध्रुव के दिमाग पर जोर डाला मैंने।"
"मैंने ही दीवान को मैसेज भेजा था कि गिलीगिली को ध्रुव का सामना करने के लिए भेजे!"
"मुझे पता था उलूक और फिर गिलीगिली से टकराने के बाद ध्रुव खतरे की तीव्रता को भांप जाएगा; और कंटेनर जहां पर भी होगा, उसकी सुरक्षा का इंतजाम जरूर करेगा।"
"और वर्तमान परिस्थिति में वह सुरक्षा केवल कमांडो फोर्स के जरिए ही हो सकती है! कमांडो फोर्स पर मेरी नजर गड़ी थी।..."
"और मेरी जानकारी के अनुसार वे इस वक्त मॉरीशस से राजनगर आने वाली कंटेनर शिप अलजजीरा की तरफ बढ़ रहे हैं।"
"अब कंटेनर और उसके अंदर की हर एक चीज..."

"हंटर्स की है!"
अच्छा हुआ तुम आ गए। मुझे तुमसे एक बहुत जरूरी बात करनी है। तुमसे मिलने...
बाद में, रिचा! पहले मुझे मम्मी को देखना है वे ठीक तो हैं?
हां! आंटी मंदिर गई थीं। आते वक्त एक्सीडेंट हुआ है!
पुलिस के अनुसार खानपुर मोड़ के पास हाइवे पर हुई थी दुर्घटना। वह तो अच्छा हुआ कि वे S.U.V. में थीं वर्ना...
खानपुर मोड़! S.U.V. कौन सी? किस रंग की?
पता नहीं! वैसे तो मम्मी हमेशा नीली बोलेरो में जाती हैं।
और नंबर है RNO3A2547!
हां! तुम्हें कैसे पता?
क्योंकि शायद मैं जानती हूं कि यह एक्सीडेंट किसने करवाया है!
ब्लैक कैट तुमसे मिलने यहां आई थी। पुलिस के कारण रुकी नहीं।
क्या हुआ मम्मी को? अच्छा किया आपने मुझे बुला लिया।
हमने तुम्हें रजनी की हालत बताने के लिए यहां नहीं बुलाया। कुछ और बताने के लिए बुलाया है।

एक्सीडेंट के पहले रजनी फोन पर मुझसे बात कर रही थी। गाड़ी में कोई दूसरी औरत भी थी। जो रजनी के अनुसार उसे खानपुर मोड़ पर बेहोश मिली थी और वह...
तुम्हारी मां राधा थी!
क्या?
ड्राईवर से हुई मामूली हाथापाई के दौरान उसकी त्वचा का एक छोटा सा टुकड़ा ड्राइवर के नाखून में रह गया था। उसे मैंने अर्जेंट D.N.A. मैचिंग के लिए भेज दिया है।
अब जरूरत है तुम्हारे D.N.A. सैंपल की, जिससे उस D.N.A. को मैच करके संशय की स्थिति को खत्म किया जा सके।
रजनी की देखभाल के लिए यहां पर मैं और डॉक्टर हैं! तुम D.N.A. सैंपल देकर जा सकते हो!
ठी...ठीक है, पा... कमिश्नर सर!

शुक्र है भगवान का कि मम्मी को ज्यादा चोटें नहीं आई हैं। श्वेता कैसी है अब?
श्वेता ठीक है। लेकिन हुआ क्या है? कॉल पर भी तुम श्वेता के बारे में पूछ रहे थे।
और चंडिका का श्वेता से क्या लेना देना?
मुझे अभी रिचा पर श्वेता और चंडिका के संबंध की बात को जाहिर नहीं करना चाहिए।
यार्ड पर मैं हंटर्स द्वारा भेजे गए जिस शख्स से लड़ रहा था चंडिका उसकी कमजोरी जानती थी। अगर चंडिका उसकी कमजोरी जानती है तो वह हंटर्स के बारे में भी जानती होगी और चंडिका से संपर्क करने का तरीका श्वेता ही बता सकती है।
पर श्वेता अभी उठ नहीं सकती। उसे तीन ड्रिप्स लगी हुई हैं।
खैर! तुम ब्लैक कैट के बारे में कुछ कह रही थीं।
हां! ब्लैक कैट तुम्हें ढूंढते हुए यहां आई थी। तुम थे नहीं तो मुझे तुम्हें बताने के लिए कह गई। उसने बताया कि...
रिचा, ध्रुव को पूरी बात बताती चली गई! और ध्रुव का दिमाग उड़ता चला गया।
मम्मी के हिसाब से वह औरत मेरी मां राधा थी।
और तुम्हारे अनुसार उसके साथ जैकब और किंग थे!
मेरे नहीं ब्लैक कैट के अनुसार और वह सिर्फ अंदाजा लगा रही थी।
तो चलो! D.N.A. सैंपल देकर मैं जैकब अंकल की तलाश में वहीं जाता हूं। उन्हीं से मिलेंगे सारे जवाब!
सिवाय... एक जवाब के...

...कि वह चंडिका हंटर्स का राज कैसे जानती है।
बता, तू है कौन?
बताया न! चंडिका! ध्रुव की दोस्त!
ठीक है। तेरा मास्क जलाकर मैं खुद तेरा चेहरा देखूंगी।
आऊ! ओह नो!
मेरा मास्क जलाने का विचार अभी तुम्हें त्यागना होगा।
ओह नोऽऽऽ! मेरी लेजर पर फोम!
...मैं पहले तेरी खाल खींचूंगी...
...और फिर तेरा मास्क!
नताशा! रुको...

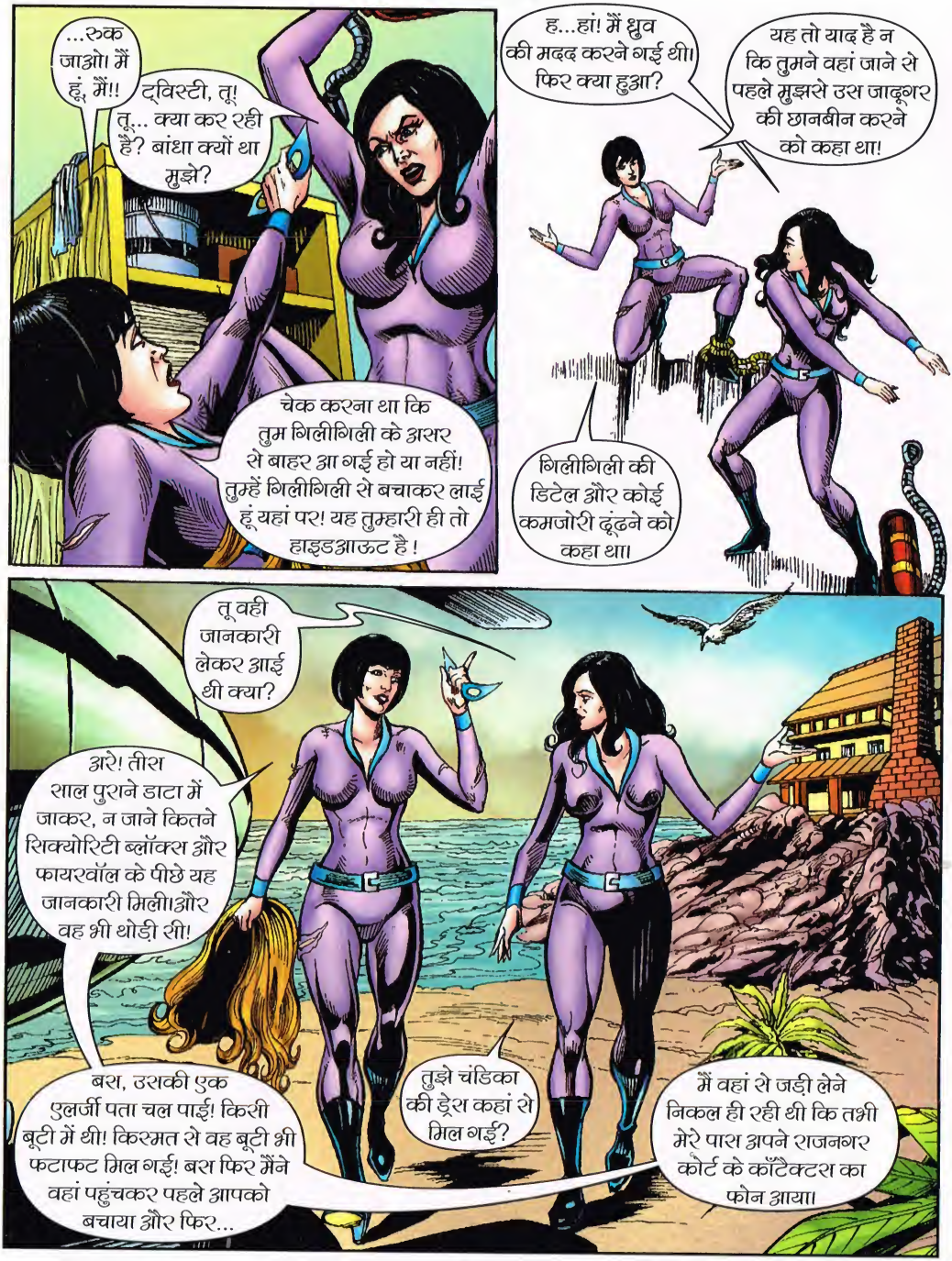
...रुक जाओ। मैं हूं, मैं!!
ट्विस्टी, तू! तू... क्या कर रही है? बांधा क्यों था मुझे?
चेक करना था कि तुम गिलीगिली के असर से बाहर आ गई हो या नहीं! तुम्हें गिलीगिली से बचाकर लाई हूं यहां पर! यह तुम्हारी ही तो हाइडआऊट है!
ह...हां! मैं ध्रुव की मदद करने गई थी। फिर क्या हुआ?
यह तो याद है न कि तुमने वहां जाने से पहले मुझसे उस जादूगर की छानबीन करने को कहा था!
गिलीगिली की डिटेल और कोई कमजोरी ढूंढने को कहा था।
तू वही जानकारी लेकर आई थी क्या?
अरे! तीस साल पुराने डाटा में जाकर, न जाने कितने सिक्योरिटी ब्लॉक्स और फायरवॉल के पीछे यह जानकारी मिली। और वह भी थोड़ी सी!
बस, उसकी एक एलर्जी पता चल पाई! किसी बूटी में थी! किस्मत से वह बूटी भी फटाफट मिल गई! बस फिर मैंने वहां पहुंचकर पहले आपको बचाया और फिर...
तुझे चंडिका की ड्रेस कहां से मिल गई?
मैं वहां से जड़ी लेने निकल ही रही थी कि तभी मेरे पास आपने राजनगर कोर्ट के कॉंटैक्टस का फोन आया।

उन्होंने बताया कि ध्रुव की सारी चल-अचल संपत्ति पर दावा ठोंक दिया गया है। ध्रुव की संपत्ति सील हो गई है। वह अपने घर तक नहीं जा सकता।
मैंने सोचा कि खबर में सच्चाई कम लगती है। इसीलिए मैं वहां से सीधे ध्रुव के घर की तरफ चली गई।
"उसके पास तो न घर है न घाट।"
तो तुम उस बुद्धू रिचा की बात मान कर यहां आ ही गए। काफी करीबी रिश्ता लगता है तुम्हारा उस लड़की के साथ?
तुमने कैसे मान लिया कि वह सच बोल रही है। यह तुम्हें फंसाने के लिए दुश्मन की कोई चाल भी हो सकती थी।
खबर सही निकली!
पर वहां पहुंचते ही हाथ लपक की बुरी आदत जाग गई! सोचा आई हूं तो एक-दो यादगार तो ले चलूं!
चंडिका की एक ड्रेस वहां मिली। पर्स बनी हुई। ड्रेस पता नहीं वहां थी क्यों और छिपा कर क्यों रखी थी? बस, मैं वही पहन कर आ पहुंची। मजे का मजा हो गया और मेरा राज का राज रह गया।
हो सकती थी! पर रिचा की बातों में मुझे सच्चाई लगी इसलिए मैं यहां आया।
लेकिन तुम यहां क्यों आई हो? मुझे तुम्हारी मदद की जरूरत नहीं है!
तुम्हें मेरी जरूरत पड़ेगी ही, क्योंकि उस औरत को सिर्फ मैंने देखा है।
पर उस गिलीगिली का क्या हुआ? ध्रुव बच पाया?
ध्रुव को मैंने एक हिंट के साथ जड़ी की डिबिया तो दे दी थी। बच ही गया होगा।
पर बेचारा बच भी गया तो जाएगा कहां?...

HIGH QALITI RAJ COMICS KE LIYE
http://rajecomicsworld.blogspot.in/
http://rajecomicsworld.blogspot.in/

ये चेहरा तो जाना पहचाना सा लगता है। इसकी कद-काठी...ओ माई गॉड! यह... ये तो हर्कुलिस हैं!!
हर्कुलिस कौन?
हर्कुलिस! जुपिटर सर्कस का स्ट्रांगमैन! जो माथे की टक्कर से पूरी दीवार तोड़ देता था।
मुझे ताकत के राज इन्हीं ने सिखाए हैं! शिक्षक थे ये मेरे!
पर ये... जुपिटर सर्कस की आग से बचे कैसे? और बचे भी तो इतने सालों से यहां जंगल में क्या कर रहे हैं?

मैं तो सोच रही हूं कि यह मंदिर कॉम्प्लैक्स जंगल में क्या कर रहा है?
और अगर गोरिल्ला जैकब को लेकर यहीं आया है तो क्यों?
क्या है यहां पर?
यह तो अंदर जाकर ही पता चलेगा! और अंदर जाना...
वर्जित है!
हर्कुलिस, क्या हुआ है तुम्हें? मुझे पहचानो। मैं ध्रुव...

ध्रुव! तुम्हारा शिष्य! तुम्हारा दुश्मन नहीं हूं मैं!

झटाक
आऊ! वही दम! वही जोर! वही फुर्ती! पता नहीं मैं उठ भी पाऊंगा या नहीं।

ये जॉम्बी हो चुके हैं! तुम्हारी कोई बात समझ नहीं पाएंगे।
बचना है तो इन पर वार करो। हटाओ इन्हें रास्ते से।
कैसे वार करूं? गुरू हैं ये मेरे। और मौका भी तो मिलना चाहिए। इन्हें हराना संभव नहीं लगता।
सुनो। मैं इन्हें उलझाता हूं। तुम अंदर जाकर चैक करो!

ठीक है! पर जान को बचाकर रखना!
मर गए तो गुरु-भक्ति किसी काम नहीं आएगी।
वैसे भी, मुझे जिस जगह पर पहुंचना था, शायद वह यहीं है।
जब से हंटर्स के बारे में सुना है, तबसे मैं इसी पल का इंतजार कर रही थी। उनके ठिकाने तक पहुंचने का!
और अगर वाकई यह हंटर्स का ठिकाना है, या उनके कई ठिकानों में से एक है तो यहां की सुरक्षा सिर्फ हर्कुलिस के जिम्मे नहीं होगी!
और मेरी कैट इंस्टिंक्ट कभी गलत नहीं होतीं!
ये अनुभवी जंगल फाईटर्स हैं। इनसे निपटना आसान नहीं होगा!
और मेरे पास इनसे निपटने के लिए वक्त भी नहीं है, अंदर और भी बड़े खतरे हो सकते हैं।
इसीलिए इनसे लड़ने में समय व्यर्थ करने से अच्छा यहां से भागना है।
पर क्या ये मेरा पीछा छोड़ेंगे?

अरे! ये तो रुक रहे हैं। इनके चेहरे पर एकाएक डर उभर आया है!
और उसका कारण मैं तो नहीं हो सकती!
ओ माई गॉड!
किंग! इसने मुझे खुद ही ढूंढ लिया।
और इसके एक्सप्रेशन्स बता रहे हैं कि यह मेरे लिए कोई खुश होने वाली बात नहीं है।

पूरे प्रांगण को हिला डाला था उस गुर्राहट ने!
ओह! यह गोरिल्ले की चिंघाड़ है।
यानि किंग यहीं है। और उसे ब्लैक कैट का आना पसंद नहीं आ रहा है।
और किंग, ब्लैक कैट के साथ कुछ भी कर सकता है। ओफ्। यह बात मुझे पहले क्यों नहीं सूझी।
मुझे अंदर जाना होगा। जल्दी।
पर जाऊं तो जाऊं कैसे?
जॉम्बी हर्कुलिस मुझे जाने नहीं देगा।
स्टारलाइन से बांधूं तो भी तोड़ देगा! इसे तो बस यह खुद ही पीट सकता है...
यस! खुद ही!! एक प्लान आया तो है दिमाग में।
बस यह तरीका कारगर सिद्ध हो!
बिजली की सी फुर्ती से ध्रुव ने अपने स्केट्स खोले...
और उन्हें हर्कुलिस के पैरों में फिट कर दिया।
हो गया!

HIGH QALITI RAJ COMICS KE LIYE
http://rajecomicsworld.blogspot.in/
http://rajecomicsworld.blogspot.in/

और हम इसका नशा उतरने तक इंतजार नहीं कर सकते!
इसका नशा उतारने का कुछ और तरीका निकालना होगा।
गर्र्र्र्र्र्र्र्र
पता नहीं मेरे स्केट्स हर्कुलिस को कब तक उलझा कर रख पाएंगे!
यहां आदि-वासियों का भी पहरा है। फिलहाल वे गोरिल्ले के डर से छुपे हुए हैं!
वे भी किसी भी पल धमक सकते हैं।
तब तो एक रास्ता है। वह रास्ता जो नशा उतारने का नंबर वन रास्ता है।
और वह है... नहलाना!
ठंडा हो गया यह।
गर्र्र्र्र्र्र्र्र
गर्र्र
गरर
गर
र
यह सच में शांत हो रहा है!!
शांत हो जाओ किंग मैं तुम पर हमला नहीं कर रहा। मैं तुम्हारा दोस्त हूं, ध्रुव!
शुक्र है।...

"अब यही हमें जैकब अंकल तक भी ले चलेगा। पर अब तक कोई आदिवासी नजर क्यों नहीं आया?"
जैकब अंकल बेहोश हैं। इनके पास से भी दवा की भीनी महक आ रही है! अब हमें इनके होश में आने का इंतजार करना पड़ेगा!
और तब तक हम उस रहस्यमय महिला की तलाश करते हैं, जिसकी शक्ल मेरी मां जैसी है।
अगर उसने जैकब अंकल को बचाया है तो उसे भी आसपास ही होना चाहिए!
वह तो आसपास नहीं है! लेकिन उसकी पहचान यहां पर है!
यहीं पर!...
यह देखो! वह औरत यही पहने हुई थी।
य... यह कैप तो मां की है। सर्दियों में अक्सर वे यही कैप लगाती थीं।
और.. और ये पट्टियां...! इनमें.. से तो...

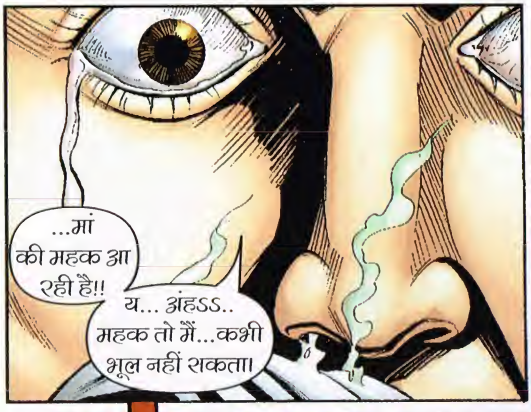
...मां की महक आ रही है!!
य... अंहऽऽ.. महक तो मैं...कभी भूल नहीं सकता।

बक्से में और क्या है?
ये भी लगते तो मां के ही हैं!!
एक दो कपड़े और हैं।
बक्सा आग से काला जरूर हो गया है पर पहचाना सा लग रहा है।
इसे भी साथ ले चलते हैं!
पर उससे पहले मंदिर में उस रहस्यमय महिला को तलाश करते हैं!

कपड़ों में तुम्हारी मां की महक? मतलब वह औरत जो यह लपेटे थी वह तुम्हारी ...
इस...इसका कोई मतलब नहीं है।

किंग मॉरीशस में जैकब अंकल से बिछुड़ गया था। कोई बोट उन्हें लेकर भागी थी पीछा करते-करते बोट गायब हो गई और यह दूसरी शिप में छुपकर चढ़ गया और जंगल के किनारे आ उतरा। फिर यही महक सूंघकर यहां पहुंच गया।

पूरा मंदिर प्रांगण छान मारा! ना वह महिला मिली और ना ही आदिवासियों का कोई निशान!
हर्कुलिस भी लापता हैं! सिर्फ मेरे स्केट्स हैं यहां पर!
शायद आदिवासी उन्हें यहां से ले गए हैं!

तुम्हें यहां पर रुकना चाहिए। वह औरत वापस आ सकती है।
जब आदिवासी और हर्कुलिस भी गायब हैं तो वह वापस शायद ही आएं!
वैसे भी अंकल जैकब को यहां रखना या छोड़ना खतरनाक लग रहा है मुझे!
भूलो मत कि यह दुश्मन का गढ़ है।
ठीक है। पर जैकब पर हमला करने वाले अभी भी हमारी पहुंच से दूर हैं।
ऐसे में इन्हें अस्पताल पहुंचाना तक खतरनाक है। इन्हें तुम ले कहां जाओगे?

मैं नहीं, तुम!
मैं जानता हूं कि तुम्हारे कुछ गुप्त हाइड आउट्स हैं
हम्म! पर तुम्हें तो किसी पर भी भरोसा नहीं है। मुझ पर भी नहीं।

तुम्हारा भी कोई मकसद है जरूर! और वह जैकब अंकल को नुक्सान पहुंचाकर पूरा नहीं होगा!
इतना मुझे अंदाजा है।
ओऽऽऽऽ के! और इनके दुश्मनों से मैं कैसे निपटूंगी, यह भी अंदाजा लगा के बता दो।

उसकी चिंता मत करो। किंग, अंकल जैकब की गंध को ढूंढता वहीं पर गया था जहां अंकल के दुश्मन हैं।
मैं इसके साथ वहीं जा रहा हूं!
जब तक तुम...ओ!
पिंग पिंग
करीम की कॉलर-टोन है। कंटेनर शिप में गया था वह!

बोलो करीम! क्या रिपोर्ट है?
गड़बड़ है, कैप्टेन!
तुमने जिस वकील के बारे में बताया था वह पूरी पुलिस फोर्स के साथ शिप पर आ धमका है।
वह कोर्ट का ऑर्डर दिखा कर कंटेनर को बाकी कंटेनर्स से अलग करा रहा है।
तुम राजनगर तट से कितनी दूर हो?
करीब बीस नॉटिकल माईल्स! अभी शिप की स्पीड स्लो है। आधा घंटा लगेगा कम से कम!
MAURITIUS II
कुछ भी हो जाए करीम! उन्हें कंटेनर खोलने मत देना।
पर हम इन्हें रोकेंगे कैसे?
दिमाग लगाओ अपना!
एक मिनट, कैप्टेन!
एक और आदमी आया है यहां पर! कैसे आया यह पता नहीं!
पर वह भी वकील को एक कोर्ट ऑर्डर दिखा रहा है! कह रहा है कि कंटेनर उसका है।
एक और दावेदार!

अब... वह कंटेनर की तरफ कूद रहा है।
यह आतंकवादी है। जानबूझ कर कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने आया है।
अपना काम करो, सिपाहियों! तुम्हें स्पष्ट आदेश हैं। कंटेनरों के पास आने वाले को हर हालत में रोका जाना चाहिए।
अरे! सिपाहियों ने तो उस दावेदार पर गोली चला दी!!
पर... उसकी फुर्ती लाजवाब है।
ऐसा लगता है, जैसे...जैसे वह गोलियों को मोशन में देख रहा हो?
वह गोलियों को बड़े आराम से अपने 'आर्मगार्ड' से परावर्तित कर रहा है।
पर...पर गोलियों की तादाद ज्यादा है, कैप्टेन!
उसे दो गोलियां पसलियों में लगी हैं।वह नीचे गिर रहा है।
पर...पर इसके घाव तो भर रहे हैं। गोलियां अपने आप बाहर गिर रही हैं।

अब... अब वह...
ओ गॉड! इतनी तेजी। इतनी फुर्ती!
पूरी बात बताओ, करीम! जल्दी!
उसने... बीस फुट की दूरी एक सेकेंड में तय कर ली! अब... अब वह...
...पुलिस वालों पर हमला कर रहा है।
कमाल का फाईटर है, कैप्टेन! ज्यूजुत्सू के ऐसे दांव तो मैंने कभी नहीं देखे!
पुलिस वालों की कई-कई हड्डियां टूट चुकी हैं। वकील की खोपड़ी खुल गई है।

और...और... दूर से एक हेलीकॉप्टर इधर आ रहा है। प्राइवेट है। जरूर इसी का होगा हम क्या करें, कैप्टेन?
उसे रोककर रखो। कैसे भी! उसे कंटेनर हासिल मत करने देना! किसी भी कीमत पर!
मैं आ रहा हूं!
प्लान में चेंज है, ब्लैक कैट! मैं शिप पर जा रहा हूं! अब किंग भी तुम्हारे साथ जाएगा।
कोई बड़ा हाइडआऊट ढूंढ लो।
यह तो पहले से ही अपने नेचुरल घर में है। खैर! तुम शिप पर इतनी जल्दी पहुंचोगे कैसे?
तुम्हारे पास मोटर बोट तो क्या, लकड़ी की नाव तक नहीं है।
अन्ना की सिखाई खास सीटी मुझे अभी तक याद है! मुझे लोहे या लकड़ी की शिप की जरूरत नहीं है।

"बस उम्मीद करता हूं कि मैंने कमांडो फोर्स को जो ट्रेनिंग दी है, वह पर्याप्त हो!"
रुक जाओ! इस कंटेनर को हाथ लगाने की कोशिश मत करना!
ओऽऽ! कमांडो फोर्स! तुम्हें ही ढूंढ रहा था, धन्यवाद करने के लिए!
अरे! यानी हम तुम्हें नहीं जानते पर तुम हमें जानते हो!
लेकिन धन्यवाद किस लिए?
वक्र को यहां तक पहुंचाने के लिए! यानी... मुझे!
बस तुम पर नजर रखी और तुम मुझे यहां तक ले आए!
अच्छा किया वर्ना इंटेरोगेशन करने के लिए ध्रुव तुम्हें कहां-कहां ढूंढता?
तुम भूल गए कि ऐसी शिप के लिए मर्चेंट नेवी गार्ड भी होते हैं।
और इनके पास हार्पून गन हैं। गोलियां नहीं जो तुम पर असर न करें। कंटेनर से दूर हट जाओ!
कंटेनर सुपर कमांडो ध्रुव के नाम का है और कोर्ट के ऑर्डर के अनुसार अभी यह कोर्ट की कस्टडी में है।
यह किसे दिया जाएगा इसका फैसला...
ध्रुव! वह भी आएगा तो जरूर! लेकिन उसका इंतजाम तो पहले ही हो चुका है।
और तुम्हारा भी।

"...शिप के राजनगर पोर्ट पहुंचने के बाद ही होगा।"
ओह! पापा की कॉल! मम्मी की तबियत ठीक तो है न!!
हां, पापा! अ...कमिश्नर सर!
तुम्हारे D.N.A. मैचिंग की अनऑफीशियल रिपोर्ट आ गई है।
रजनी को जिस औरत की वजह से अस्पताल में आना पड़ा है...
...वह तुम्हारी मां, राधा है। D.N.A. परफेक्ट मैच है।
अपनी जिंदगी की लड़ाई के लिए जा रहे ध्रुव को हर खबर और कमजोर बनाती जा रही है। कहां है राधा? कौन है वक्र और वह क्या राज है जो जैकब के सीने में दफन है? क्या है ध्रुव के जीवन की सच्चाई। बताएंगी उसकी यादें, जो जिंदगी और मौत के बीच में उस क्षेत्र में बस रही हैं, जिसे कहते हैं...
नो मैन्स लैण्ड

क्रमशः

धड़कनें बंद हो चुकी हैं। रक्त संचार थमने लगा है! अब शुरू होगा जिंदगी से मौत तक का सफर और इसके लिए हर इंसान पार करता है एक रहस्यमय क्षेत्र, जिसमें रहती हैं उस इंसान की सबसे पुरानी यादें, उसका बालचरित!
यह इलाका न जिंदगी का होता है और न मौत का! यह कहलाता है...
सुपर कमांडो ध्रुव
नो मैन्स लैण्ड
पर कहते हैं कोई विरला इस इलाके से लौट भी आता है!...
राज कॉमिक्स में ध्रुव की 'ओरीजिन सीरीज' का एक 'यूटर्न' शाहकार!